



नाना पाटेकर के निधन मामले में केस दर्ज

मौत के कारणों का पता लगाएगी पुलिस, देर रात हुआ अंतिम संस्कार

मुंबई (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने अभिनेता नाना पाटेकर के निधन मामले में मेडिको-लीगल 'अप्राकृतिक मौत' का केस दर्ज किया है। पुलिस मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिवार के बयानों की जांच करेगी।

पूज एजेंसी के अनुसार, गोवा पुलिस ने बीएनएस की धारा 194 के तहत केस दर्ज किया है।

पीएसआई नितिन नाइक इसकी जांच कर रहे हैं। पणजी में दर्ज केस के मुताबिक, नाना पाटेकर को गुरुवार सुबह गोवा के डोना पाउला स्थित ओशन पार्क से मणिपाल अस्पताल,



अस्पताल ने कहा- मृत लाया गया

मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉक्टर शेखर सालकर ने बताया कि नाना पाटेकर को अस्पताल में मृत अवस्था में ही लाया गया था। इसी वजह से पुलिस केस दर्ज कराना पड़ा और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज के मुर्दाघर भेजा गया। डॉक्टर के मुताबिक प्राथमिक तौर पर यह कार्डियक अरेस्ट का मामला लगता है।

बॉबोलिम लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। देर रात पुणे के फार्म हाउस में शव का अंतिम संस्कार किया गया।

भारत का जवाब-अमेरिकी अर्थव्यवस्था यही संभाल रहे

वीजा लेकर अमेरिका में काम करने वाले बंधुआ मजदूर: वेंस

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम करने वाले विदेशी कर्मचारियों को 'बंधुआ मजदूर' बताया है। भारत ने वेंस के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में प्रवासियों की अहम भूमिका रही है। भारत ने यह भी कहा कि भारतीय पेशेवर अमेरिका की अर्थव्यवस्था, नई तकनीक, रिसर्च और रोजगार बढ़ाने में

अहम योगदान देते हैं। इससे दोनों देशों को फायदा होता है। अमेरिका में एच-1 बी वीजा पाने वालों में 71 फीसदी



भारतीय हैं। वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट पर वीजा व्यवस्था का गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया।

8 आईटी कंपनियों के ग्रीन कार्ड प्रोग्राम पर रोक- अमेरिकी सरकार ने 8 बड़ी आईटी कंपनियों को ग्रीन कार्ड से जुड़ी आईटी कंपनियों को प्रक्रिया से सस्पेंड कर दिया है। इनमें भारत की इन्फोसिस, टाटा, विप्रो, टीसीएस और कॉमिन्जेंट के साथ माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी और कैपजिमीनी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार का आरोप है कि कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देकर अमेरिकी लोगों के रोजगार के अवसर कम कर रही हैं।

संक्षिप्त

समाचार

केरल के पूर्व सीएम के खिलाफ होगी एफआईआर पिनराई विजयन और उनकी बेटी पर भ्रष्टाचार का लगा है आरोप



तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार केस में पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। इस केस में पिनराई विजयन और उनकी बेटी टी वीणा पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। मामला कोचिन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड और वीणा की कंपनी एक्सालोजिक सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच वितीय लेन-देन से जुड़ा है। कोर्ट में याचिका देकर इस मामले में जांच की मांग की गई थी, जिसके बाद जस्टिस ए. बदरुद्दीन ने यह फैसला लिया। दरअसल, इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रही थी और उसने केरल पुलिस के साथ भी इसकी जानकारी साझा की थी। इसके बाद भी राज्य पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बजाय विशेष जांच टीम बनाई थी। ईडी और राज्य सरकार की दलीलें-हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने एफआईआर दर्ज करने की मांग का समर्थन किया। ईडी के वकील जयशंकर नायर ने कहा कि जांच के दौरान कई ऐसे लेन-देन सामने आए हैं, जिनकी जांच राज्य पुलिस या किसी सक्षम एजेंसी से कराना जरूरी है। राज्य की ओर से एडवोकेट जनरल जाजू बाबू ने याचिका की सुनवाई योग्य होने पर शुरुआती आपत्ति जताई।

टिवशा डेथ केस में सास गिरिबाला की बड़ी मुसीबतें देहेज एक्ट की धाराएं हटीं, लेकिन जमानत पर संशय

जबलपुर (एजेंसी)। मॉडल टिवशा शर्मा की मौत के मामले में जेल में निरुद्ध भोपाल की पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस अजय कुमार निरकारी की एकलपैठ ने देहेज प्रतिबंध अधिनियम की धाराओं को विलोपित कर पेश की गई संशोधित याचिका स्वीकार कर ली। सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच ब्यूरो की ओर से बताया गया कि मामले में जुटाए गए तकनीकी साक्ष्यों को जांच के लिए



प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच एजेंसी मामले की पड़ताल कर रही है और रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कानून के अनुसार संबंधित न्यायालय में आगे की कार्यवाही की जाएगी। गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका जिला न्यायालय से खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था। पिछली सुनवाई में अदालत को बताया गया था कि देहेज की मांग से जुड़े साक्ष्य नहीं मिलने के कारण कोर्ट ने मामले में देहेज प्रतिबंध अधिनियम की धाराएं हटा दी हैं। इसके बाद एकलपैठ ने याचिकाकर्ता को देहेज एक्ट की धाराएं हटाकर संशोधित याचिका पेश करने के निर्देश दिए थे।

अब पीएम मोदी के नाम से जाना जाएगा नोएडा एयरपोर्ट

अग्निवीरों को 20 फीसदी आरक्षण, बिना परीक्षा जॉइनिंग मिलेगी योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला, एयरपोर्ट में पार्किंग की सुविधा रहेगी

नोएडा (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में एक अहम निर्णय लिया



गया है। नोएडा जेवर एयरपोर्ट का नाम अब नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि

जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम अब नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शुक्रवार को कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर दिया है। इस एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी क्षमता एक वर्ष में लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की है। यह एयरपोर्ट 1300 हेक्टेयर से अधिक भूमि में फैला हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में बनने वाला यह दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। यह इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भीड़भाड़ कम करने में मदद करेगा। नोएडा एयरपोर्ट पर ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर विकसित किया गया है।

मक्खी मारने के लिए हथौड़ा न चलाएं

सीजेपी के प्रदर्शन से पहले सख्ती पर चीफ जस्टिस की टिप्पणी

सरकार को लगाई फटकार, दिल्ली में 57 मेट्रो स्टेशन बंद, ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के शनिवार को होने वाले प्रदर्शन को लेकर ज्यादा सख्ती पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- आपको कुछ चीजों को रोकना ही होगा। उन्हें रोकने के लिए सिर्फ उतनी ही कार्रवाई करें जितनी जरूरी हो। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल करें। इस बात का हमेशा ध्यान रखा जाना चाहिए। दरअसल सीजेपी के कल होने वाले प्रदर्शन को देखते हुए आज रात 9 बजे से 57 मेट्रो स्टेशन बंद रहेंगे। वहीं नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन स्टेशन आने वाली सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें कल कैसिल रहेंगी। रेलवे ने इन ट्रेनों को उनके शुरुआती स्टेशनों से ही रद्द कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मेट्रो पर पूरी तरह रोक नहीं लगा सकते

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि मेट्रो की आवाजाही पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। अधिकारियों को मेट्रो और अन्य ट्रेनों की आवाजाही इस तरह नियंत्रित करने पर विचार करना होगा कि आम लोगों को परेशानी न हो। इस फैसले की जानकारी दी जाए और शहर में यात्रा करने वाले लोगों को परेशानी से बचाने के लिए एडवाइजरी अखबारों और वेबसाइटों पर भी प्रकाशित की जाए। इस पर तुषार मेहता ने कहा, कोर्ट ने एक उदाहरण के तौर पर यह बात कही है। यह इस तरह से रिपोर्ट नहीं करनी चाहिए कि भारत के चीफ जस्टिस ने कहा है कि सरकार मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल कर रही है।



सुनिश्चित करें कि सब कुछ रुक न जाए

इस पर सीजेआई ने सरकार की दलीलों से सहमत जताते हुए कहा, सावधानी बरतें। बहुत ज्यादा सावधानी बरतें। इसमें कोई दिक्कत नहीं है। आप कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। लेकिन, यह जिम्मेदारी सिर्फ सरकारी संपत्ति की हिफाजत के बारे में नहीं है। यह लोगों की हिफाजत को लेकर है। यह आपकी सॉवरेन इयूटी है। इन स्थानों से हमारी बेटियां, छोटे बच्चे, वरिष्ठ नागरिक, बहुत बुजुर्ग लोग और मरीज गुजरते हैं। उनकी भी हिफाजत जरूरी है। उचित कदम उठाने में किसी भी तरह से कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन, यह सुनिश्चित करें कि सब कुछ रुक न जाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जय्यामाया बागवी और जस्टिस वी मोहना की बेंच सरकार की ओर से सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित प्रदर्शन से पहले जो कदम उठा रही है, उसी के खिलाफ दर्ज याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बातें कही हैं। सर्वोच्च अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिबल ने पैरवी की है।

सीएम ने की कई घोषणाएं: कहा— उद्योग मित्र समितियों का होगा पुनर्गठन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को व्यापारी हित के लिए कई घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। वह रोजगार सृजन, स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने और राष्ट्र की आर्थिक शक्ति को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लिहाजा सरकार भी व्यापारियों की सुरक्षा, सम्मान और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आपदाओं से प्रभावित व्यापारियों को नियमानुसार उचित राहत उपलब्ध कराने व राज्य एवं जिला स्तर पर उद्योग मित्र समितियों का पुनर्गठन करने समेत कई घोषणाएं की।

धामी शुक्रवार को यहां प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राज्य स्तरीय व्यापारी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मेडिकल कालेज सभागार में मुख्यमंत्री ने जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों के आश्रितों को दुर्घटना बीमा का त्वरित लाभ दिलाने, पर्यटन व्यवसाय को प्रोत्साहित करने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया सरल बनाने, सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने, पर्यटन बहुल क्षेत्रों और जिला मुख्यालयों में



होम स्टे सुविधाओं का विस्तार करने, चारधाम यात्रा मार्ग पर पर्याप्त पार्किंग विकसित करने, राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों तथा अन्य प्रमुख मार्गों से जुड़े बाजारों में सड़कों एवं नालियों के निर्माण और मरम्मत कराने और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों को कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाने की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य व्यापारियों के लिए भयमुक्त, सुरक्षित और पारदर्शी वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें अनावश्यक प्रक्रियाओं और कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के व्यापारी राज्य के बाजारों तक सीमित न रहें, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपनी पहचान स्थापित करें। इस मौके पर सीएम ने

स्मारिका का विमोचन किया और कई व्यापारियों को सम्मानित भी किया। इससे पूर्व धामी ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। प्रांतीय अध्यक्ष और दायित्वधारी नवीन चंद्र वर्मा ने मुख्यमंत्री का स्वागत कर व्यापारियों की समस्याओं को हल कराने की मांग की। कार्यक्रमी प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद गोयल ने सभी का आभार जताया। संचालन विनीत अग्रवाल ने किया।

उपचुनाव के नतीजों में बीजेपी की बल्ले-बल्ले

बंगाल के नंदीग्राम और रेजीनगर में मिली बंपर जीत असम में बीजेपी और पुडुचेरी में एनडीए ने मारी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार राज्यों की 6 सीटों पर उपचुनाव की कार्टिंग संपन्न हो गई है। बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर सीट पर भाजपा की बंपर जीत हुई है। नंदीग्राम में भाजपा की हसीरानी रथ को 1 लाख से ज्यादा वोट की जीत मिली है। इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में सीएम शुभेंद्रु अधिकारी नंदीग्राम में 9 हजार वोट से जीते थे। तमिलनाडु की दोनों मंदुरतकम और धारापुरम सीटों पर सीएम विजय की पार्टी टीवीके ने बड़ी जीत हासिल की है। पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट पर एनडीए समर्थित उम्मीदवार अशोक आनंद जीत गए हैं। असम की नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की है।

बीजेपी उम्मीदवार हसीरानी रथ को मिली बड़ी जीत- नंदीग्राम उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। बीजेपी उम्मीदवार हसीरानी रथ को एक लाख 20 हजार से अधिक वोटों से जीत मिली है। उन्होंने अपनी जीत में सीएम सुवेंदु अधिकारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सुवेंदु अधिकारी को पिछले चुनाव में महज नौ हजार वोटों से जीत मिली थी। बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद पहली बार उपचुनाव हुए हैं। चुनाव में बीजेपी की सुनामी देखने को मिली है।



संपादकीय

लिंगानुपात एक गंभीर चिंता

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में लड़के और लड़की के अनुपात को लेकर काफी चौकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। विडंबना यह है कि लिंग अनुपात बढ़ता जा रहा है और इसी पीछे कहीं ना कहीं चोरी छुपे चल रहे लिंग परीक्षण को जिम्मेदार माना जा सकता है। हालांकि तमाम प्रयासों के बावजूद भी स्वास्थ्य विभाग ऐसे मामले पकड़ने में कामयाब नहीं हो पाया है लेकिन अब इसके लिए विभाग ने राजधानी के सभी अल्ट्रासाउंड सेंटरों को मॉनिटरिंग के दायरे में रखने का फैसला लिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या अधिक प्रभावी है लिहाजा कम लिंगानुपात वाले गांवों को चिह्नित कर रेड जोजन बनाने, अल्ट्रासाउंड केंद्रों की नियमित निगरानी करने तथा भ्रूण के लिंग की जांच कराने और करने वालों को चिन्हित करने का अभियान जरूरी है।स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली के वर्ष 2025–26 के आंकड़ों में उत्तराखंड का लिंगानुपात 939 के मुकाबले देहरादून का लिंगानुपात 927 पाया गया है, जो चिंतनीय है। इन परिस्थितियों में प्रत्येक गांव के पिछले पांच वर्षों के लिंगानुपात संबंधी आंकड़ों का गहन विश्लेषण किया जाना चाहिय और असामान्य स्थिति वाले क्षेत्रों की पहचान कर विशेष निगरानी करनी होगी।साथ ही कन्या भ्रूण के लिंग की जांच कराने या करने वालों के विरुद्ध अधिनियम के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। अब बात करें जनपद में चलने वाले अल्ट्रासाउंड केदो की तो इन पर निगरानी रखे जाने के साथ–साथ इनकी संख्या पर नियंत्रण भी जरूरी है। निर्धारित मानक पूरे करने वाले केंद्रों को ही अनुमति दी जाए तथा आवश्यक अभिलेखों के अभाव में किसी भी केंद्र का पंजीकरण या नवीनीकरण न किया जाए। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई पर नजर डालें तो जनपद में वर्तमान में 218 त्रिपाशील डायग्नोस्टिक एवं इमेजिंग केंद्र संचालित है, जिनमें 420 अल्ट्रासाउंड मशीनें स्थापित हैं। सितंबर माह में 84 केंद्रों तथा वर्ष 2026 में अब तक कुल 117 केंद्रों का निरीक्षण किया और मात्र तीन केंद्रों की मशीनें सील की गई हैं। देहरादून जनपद में सबसे कम लिंगानुपात डोईवाला व कालसी में दर्ज किया गया है। वर्ष 2026–27 के आंकड़ों के अनुसार डोईवाला में 885, सहसपुर में 924, रायपुर में 949, कालसी में 887, विकासनगर में 1000 तथा चकराता में 1060 लिंगानुपात दर्ज किया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण या है कि प्रशासन लिंग अनुपात के बढ़ते आंकड़े के कर्म को गंभीरता के साथ चिन्हित करें और यदि सख्त कानून के बावजूद भी लिंग परीक्षण का कार्य किया जा रहा है तो इसे न केवल स्वास्थ्य विभाग की नानामी कहेंगे बल्कि यह कानून का मखौल उड़ाने जैसा भी होगा।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यजनक परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आग्नपाली जैसी वीरगंगाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वाल्मिर और भृगुहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढरा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुर्गुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुर्गुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।



सनत जैन

एक ही झटके में दूबे 11.37 लाख करोड़... भारतीय शेयर बाजार मे निवेशकों के लिए गुरुवार का दिन बहुत खराब साबित हुआ। एक ही झटके में 11.37 लाख रुपए निवेशकों के डूब गए। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से लेकर गौतम अडानी की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। सभी सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। शेयर बाजार 1045 अंक गिरकर मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 71593 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 371 अंक की गिरावट के साथ 22232 पर बंद हुआ। रही सही कसर डॉलर के मुकाबले रुपया ने लगभग 97 रुपए के स्तर पर पहुंचकर पूरी कर दी। पिछले दो सप्ताह से रिजर्व बैंक डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को संभालने के लिए काफी प्रयास कर रहा है। इसके बाद भी रुपया गिरने से रुक नहीं रहा है। रही सही कसर कच्चे तेल के दाम बढ़ने से डॉलर की मांग



ललित गर्ग

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुदराुपन था, संवादों में धार थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा में एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये अजीब भी थे। नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाहा। नाना का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी इंसान के लिये प्रेरणादायी अध्ययन भी है, उत्साह की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में धिर गया। पिता का कारोबार डूब गया और महज 13 वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिए काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते थे और करीब 35 रुपये महीने कमाते थे।

शेयर बाजार में शनि राहु और केतु की छाया?



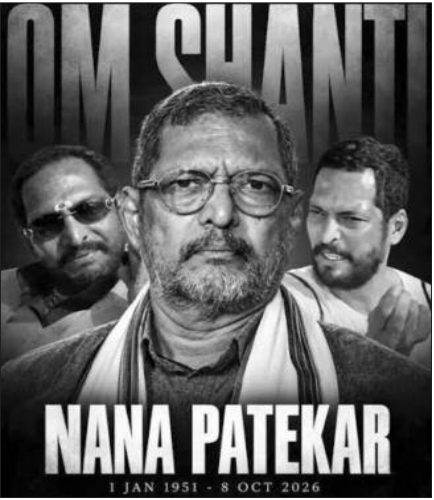
बढ़ती जा रही है, जिसके कारण डॉलर के मुकाबले रुपया में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कच्चे तेल और डॉलर का भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़ा दबाव देखने को मिल रहा है। जैसे-जैसे डॉलर के रेट रुपए के मुकाबले बढ़ रहे हैं, इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को उठाना पड़ रहा है। आखिर शेयर बाजार की यह हालत क्यों हुई, इसको लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में रेपो रेट में बदलाव किया है। रेपो रेट 0.25 आधार अंक बढ़कर 5.50 की गई है। इसको लेकर शेयर मार्केट में घबराहट देखने को मिल रही है। वैश्विक देशों के शेयर बाजारों में भी इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। जिसका असर भारतीय शेयर बाजार में दिख रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है, भारत के शेयर बाजार से विदेशी निवेश लगातार

निकलता चला जा रहा है, जिसके कारण डोमेस्टिक निवेशक भी घबराहट में आ गए हैं। भारत की वित्तीय संस्थाओं के ऊपर भी भारी दबाव देखने को मिल रहा है। इससे भारत का शेयर बाजार निकट भविष्य में सुधर पायेगा? इसको लेकर तरह-तरह की चिंता व्यक्त की जाने लगी है। रही सही कसर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दादा ने पूरी कर दी है। ट्रंप ने एक नया फरमान जारी किया है। जिसमें भारत की 8 आईटी कंपनियों को पीईआरएम प्रोग्राम से बाहर किया है। इनमें इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, कॉर्निजेंट, कैपजेमिनी सहित आठ कंपनियों के कर्मचारियों को अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। इनमें माइक्रोसॉफ्ट और एडोब भी शामिल है। इसका असर भारतीय कंपनियों में पड़ना तय है। ट्रंप के इस कदम से भारतीय आईटी कंपनियों को अमेरिका में काम मिलने से दिक्कत होगी, जिसका प्रभाव

नाना पाटेकर: अभिनय की आग में तपा असाधारण कलाकार

काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीतर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया। कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट में शिक्षा ली और व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमोदाबाईची कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें गंभीर रंगकर्मी के रूप में पहचान दी। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर की शुरुआत फिल्म 'गमन' से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म 'परिदा' से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अकुश और सलाम बांबे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाई। इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। 'अंगार' में उनका नकारात्मक किरदार, 'तिरंगा' में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवाजी राव वागले, 'क्रांतिवीर' में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, 'अग्निसाक्षी' में जटिल मानसिकता वाला पात्र और 'खामोशी: द म्यूजिकल' में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए। नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था सभाषाविकता के भीतर तीव्रता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी फुसफुसाहट बन जाती तो कभी विस्फोट की तरह फूटती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन सबका अपना नाटकीय व्याकरण था। उनकी संवाद-अदायगी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुंह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होने

देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे। नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय 'वेलकम' है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय शेठ्ठी के रूप में ऐसी कॉमेडी की कि नई पीढ़ी भी उनकी मुरीद हो गई। उनका 'कंट्रोल, उदय, कंट्रोल!' जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि जो कलाकार परिदा और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वही वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के दशक में 'अब तक छप्पन', अपहरण, शक्ति: द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी बेवैनी को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। 'नट्सम्राट' (2016) में रंगमंच के दिग्गज कलाकार को भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है। नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। 'प्रहार: द फाइलर अटैक' का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद है। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे टेरिटरियल आर्मी से जुड़े और लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पदों पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जाकर देश के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उनकी राष्ट्रीयता किसी नारे की तरह नहीं थी, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी। तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना, कमजोर के साथ खड़ा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण संकट से वे गहराई से जुड़े। 2015 में उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ नाना फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य किसानों और सूखा प्रभावित ग्रामीण परिवारों की सहायता करना था। उन्होंने राहत एवं सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया



कि वे एक सच्चे 'क्रांतिवीर' थे जिन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी उतनी ही असरदार थी जितनी उनकी दमदार आवाज। उन्होंने हमेशा देश-विरोधी तत्वों पर लगाम लगाने की वकालत की। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने स्तार बनने की कोशिश नहीं की, कलाकार बने रहे। वे ग्लैमर की दुनिया में रहते हुए भी अपनी जड़ों से कटे नहीं। गरीबी ने उन्हें संवेदनशील बनाया, रंगमंच ने अनुशासन दिया, फिल्मों ने व्यापक पहचान दी, सेना ने राष्ट्रभक्ति को मजबूत किया और सामाजिक कार्यों ने उनके भीतर के मनुष्य को जीवित रखा। उनके अभिनय की विरासत केवल पुरस्कारों में नहीं, उन पात्रों में है जिन्हें उन्होंने अमर कर दिया। परिदा का अन्ना, क्रांतिवीर का प्रताप, तिरंगा का शिवाजी राव, अब तक छप्पन का पुलिस अधिकारी, नट्सम्राट का गणपत बेलवलकर और वेलकम का उदय शेठ्ठी-ये सभी नाना के अलग-अलग चेहरे हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही कलाकार है, जो अभिनय को दिखाता नहीं था, संवेदनशीलता के साथ जीता था। नाना पाटेकर का जीवन हमें यह संदेश देता है कि प्रतिभा अवसर की मोहताज नहीं होती। जिस किशोर ने कभी 35 रुपये महीने के लिए फिल्म पोस्टर रंगे थे, वही आगे चलकर तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों और पद्मश्री से सम्मानित हुआ। भारत ने एक अभिनेता खोया है, लेकिन उसकी कला, आवाज, संवाद, संघर्ष और संवेदनशील नागरिक की छवि लंबे समय तक जीवित रहेगी। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी फिल्म शायद उनका अपना जीवन था-संघर्ष से शुरू हुई, संवेदना से समृद्ध हुई और कर्म की सच्चाई पर समाप्त हुई। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)

एलन मस्क के बयान से उठते गंभीर सवाल- भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि



संतोष कुमार पाठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के एक बयान (सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट) ने भारत में कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसका जवाब तलाशना और पूरी गंभीरता से देना बहुत जरूरी हो गया है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि उदारीकरण और भूमंडलीकरण के इस दौर में प्राइवेट कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा होनी ही चाहिए ताकि लोगों को फायदा भी हो और उनके पास चुनने का विकल्प भी हो। इसी तर्क का हवाला देकर भारत के अंदर भी कई लोग एलन मस्क की पीड़ा को सही बताते हुए सरकार को नसीहतें दे रहे हैं। लेकिन भारत की संप्रभुता और वैश्विक कंपनियों को भारत में कारोबार करने की इजाजत देने के बीच में एक बहुत ही हल्की सी रेखा आती है, जिसे पार करते ही कई तरह की समस्याएं खड़ी हो सकती है। भारत के अंदर, हर भारतीय को यह स्वतंत्रता है कि वो अपनी सरकार से सवाल पूछ सके, अपनी सरकार पर सवाल उठा सके लेकिन क्या हम यही स्वतंत्रता किसी विदेशी कारोबारी को दे सकते हैं? कर्तई नहीं, भारत का असली बाँस कौन है, यह तय करने और बताने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ भारतीयों के पास ही रहना चाहिए। एलन मस्क ने 8 अक्टूबर को अपने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ' स्टारलिक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिला हुआ है और कंपनी भारत सरकार के हर नियम और जरूरत को पूरा करने में पांच साल से काम कर रही है, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बाँस हैं?' जिस अंदाज में और जितनी तेजी से राहुल गांधी ने इस पर कमेंट किया,



उसे लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मस्क के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए राहुल ने लिखा, 'भारत में आपका स्वागत है, एलन। दूसरे शब्दों के मिलाते तक इंतजार कीजिए।' राहुल गांधी के जवाब से गदगद मस्क ने तुरंत जवाब देते हुए लिखा, 'धन्यवाद राहुल, यह वाकई परेशान करने वाला है।' यहां यह याद रखना भी बहुत जरूरी है कि मस्क पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में इस सेक्टर से जुड़े बड़े कारोबारी स्टारलिक की एंटी भारत के बाजार में रोककर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन इस बार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जवाब देने के

कारण, मामला बहुत गंभीर हो गया है। पिछले कई दिनों से राहुल, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तोफ की मांग को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं और यह बात स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है कि न तो सत्तारूढ़ सरकार और विश्वी दल खासकर राहुल के साथ संवादहीनता की स्थिति आ गई है, जिसे कतई सही नहीं माना जा सकता है। इतने गंभीर मामले पर राहुल की इतनी तेजी से की गई टिप्पणी को कर्तई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। यहां साफ-साफ नजर आ रहा है कि राहुल ने एक बड़ी गलती कर दी है,जिसका जवाब अब उन्हें लगातार देते रहना पड़ेगा।

भारत सरकार ने गुरुवार, 8 अक्टूबर को ही मस्क के आरोपों को खारिज करते हुए यह साफ कर दिया कि, देश में सैटेलाइट कम्प्यूनिकेशन सर्विसेज के लिए तय नियम सभी के लिए एक जैसे हैं। फिलहाल, तीनों कंपनियों के लिए सुरक्षा समीक्षा की प्रोसेस चल रही है। जैसे ही किसी कंपनी की सुरक्षा जांच पूरी हो जाएगी, वह अगली स्टेप यानी स्पेक्ट्रम आवंटन की मांग करने के लिए आगे बढ़ सकती है। सरकार ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि, यह कहना बिल्कुल गलत है कि नियमों को किसी के साथ भेदभाव करने के लिए लागू किया जा रहा है। मस्क के अलावा एयरटेल के मालिक सुनील भारती मितल की कंपनी यूटेलसेट वनवेब और मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो भी लाइसेंस लेने की होड़ में हैं। एलन मस्क के आरोप अपनी जगह है लेकिन भारत की कोई भी सरकार देश की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी तरह का समझौता नहीं कर सकती है। इस मामले में भारत के महत्वपूर्ण और बड़े राजनीतिक दलों को एक ही पेज पर होना चाहिए। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह संसद के प्रमुख दलों को इससे जुड़े तथ्यों से अवगत कराए। सरकार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी मित्र एलन मस्क को भी दो टूक शब्दों में यह बता देना चाहिए कि बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारत की सरकार पर कोई दबाव नहीं डाला जा सकता है। यह मामला बहुत बड़ा है और इसे दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों के लिए एक उदाहरण की तरह पेश किया जाना चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि सब कुछ बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए लेकिन ट्रंप प्रशासन जिस तरह से भारत, भारतीय कंपनियों और भारतीयों के खिलाफ लगातार फैसले ले रहा है, उसे भी ध्यान में रखना बहुत जरूरी है।

तेज बारिश और आंधी से जनजीवन प्रभावित

देवी मंदिर-तड़ियाल चौड़ मार्ग पर पेड़ गिरने से यातायात बाधित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शुक्रवार सुबह हुई तेज बारिश और हवाओं ने कोटद्वार व आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के चलते कई स्थानों पर पेड़ धराशायी हो गए, जबकि बारिश के कारण जलभराव और बरसाती रफ्तों के उफान पर आने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। देवी मंदिर-तड़ियाल चौक मार्ग पर विशाल आम का पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। वहीं, कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग पर पांचवें मील के समीप बरसाती रफ्त उफान पर आने से वाहनों की आवाजाही कुछ देर के लिए थम गई। हालांकि, रहत की बात यह रही कि पेड़ गिरने की घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई।

शुक्रवार तड़के से ही क्षेत्र में मौसम का मिजाज बदला हुआ था। सुबह करीब तीन



कोटद्वार के देवी रोड में जल निगम स्टोर के समीप धराशायी हुआ पेड़

बजे कुछ देर तेज बारिश हुई। इसके बाद आसमान में बादल छाए रहे। करीब 11 बजे अचानक काले बादल घिर आए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। इसके चलते देवी मंदिर तिहाड़े से तड़ियाल चौक के बीच जल निगम स्टोर के समीप सड़क किनारे खड़ा विशाल आम का पेड़ धराशायी होकर मुख्य मार्ग पर गिर गया।

गमीनत रही कि उस समय सड़क से कोई वाहन या राहगीर नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। वहीं, ग्रास्टनर्गज के वार्ड नंबर एक में भी दो स्थानों पर पेड़ गिरने से आवागमन प्रभावित हुआ। पेड़ गिरने से क्षेत्र को जोड़ने वाली विद्युत सड़क किनारे खड़ा विशाल आम का पेड़ सूचना मिलने पर पुलिस, दमकल और

एसडीआरएफ की टीमों मौके पर पहुंची। टीमों ने करीब एक घंटे की मशकत के बाद पेड़ों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारु करवाया। इस दौरान देवी मंदिर-तड़ियाल चौक मार्ग पर लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ी। जल निगम स्टोर से नीचे बीईएल की ओर जाने वाले मार्ग पर भी जाम की स्थिति बनी रही।

पांचवें मील में उफान पर आया बरसाती रफ्त

तेज बारिश का असर कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी देखने को मिला। पांचवें मील के समीप बरसाती रफ्त अचानक उफान पर आ गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। वाहन चालकों को पानी का बहाव कम होने का इंतजार करना पड़ा। इस दौरान पहाड़ी से मलबा गिरने का खतरा भी बना रहा। करीब आधे घंटे बाद रफ्त में पानी का बहाव कम होने पर वाहनों की आवाजाही दोबारा शुरू हो सकी। उधर, क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जलभराव होने से भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर पुलिस की कार्रवाई, दो वाहन सीज



वाहनों चैकिंग अभियान चलाती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पुलिस का चेकिंग अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा। इस दौरान स्कूल आने-जाने के लिए दोपहिया वाहन चलाने वाले नाबालिगों के दो वाहन सीज किए गए, जबकि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले आठ वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। शुक्रवार को पुलिस ने स्कूलों को जोड़ने वाले

प्रमुख मार्गों के साथ ही शहर के विभिन्न चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान वाहन चालकों के दस्तावेजों और यातायात नियमों के पालन की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो वाहनों को सीज किया गया। पुलिस के अनुसार, अभियान का उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के साथ सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है। नाबालिगों के वाहन चलाने के मामलों में उनके अभिभावकों की काउंसिलिंग भी की जा रही है, ताकि उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा सके। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें। साथ ही बच्चों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकथाम के लिए चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गढ़वाल विवि के नए ईई अरविंद मोहन सुयाल ने कार्यभार संभाला



जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त अधिशासी अभियंता (ईई) अरविंद मोहन सुयाल ने विश्वविद्यालय में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्री सुयाल इससे पूर्व वर्ष 2017 से केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में सहायक अभियंता के पद पर

कार्यरत थे। उनकी पहली नियुक्ति वर्ष 2011 में अवर अभियंता (जेई) के पद पर हुई थी। इससे पहले वह जेपी ग्रुप में परियोजना अभियंता के रूप में कार्य कर चुके हैं। श्री सुयाल ने सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक तथा एमबीए की शैक्षणिक योग्यता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि अधिशासी अभियंता के पद पर नियुक्ति के लिए गत 18 अगस्त को चयन समिति की बैठक आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय में अधिशासी अभियंता का कार्यभार ग्रहण करने पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं इंजीनियरिंग विंग के कर्मचारियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. वाई.पी. रैवानी, डीन नियुक्ति एवं प्रोवेंति प्रो. एम.एस. पंवार सहित इंजीनियरिंग विंग के सभी कर्मचारी ने उन्हें बधाइयां व शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय से सटे श्रीकोट निवासी ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग के लिए सांकेतिक प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि प्रशासन के आदेशन के बाद भी मामले में कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। उन्होंने चेतावनी दी जल्द गांव के लिए सड़क नहीं पहुंचे तो हाईवे जाम और आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीएम के समक्ष बात रखने के बाद भी समस्या जस की तस है। सड़क न होने से बीमारों को अस्पताल पहुंचाने में दिक्कतें होती हैं। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

पौड़ी-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर श्रीकोट स्थित स्व. अंकिता भंडारी के घर तक सड़क की मांग के लिए ग्राम प्रधान की अगुवाई में श्रीकोट गांव की महिलाओं ने कलेक्ट्रेट के समीप सांकेतिक प्रदर्शन किया। गुड्डी देवी, देवश्री देवी, विधाता देवी, गायत्री देवी ने बताया कि 2017-18 से सड़क की मांग की जा रही है। 2022 लोनिवि की ओर से बताया गया कि सड़क की स्वीकृति मिल चुकी है। ग्रामीण सड़क के लिए एनओसी दें तो तीन दिन में कार्रवाई शुरू हो जाएगी। मगर ऐसा नहीं हुआ। श्रीकोट की प्रधान अनुपमा का कहना है कि बीते सितंबर को जनता मिलन कार्यक्रम में सड़क नहीं होने से आ रही दिक्कतें उठाई थीं। तब प्रशासन ने 2 अक्टूबर तक सर्वे करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब आंदोलन ही अंतिम विकल्प रह गया है। कांता देवी, जसोदा देवी ने कहा कि हाईवे से गांव तक सिलिंडर और रोजमर्रा के सामान को ले जाने के लिए करीब दो किमी. की खड़ी चढ़ाई नामची पड़ रही है। शासन-प्रशासन को इस संबंध में हमारी बात सुनी चाहिए। अगर जिलाधिकारी पौड़ी एफआर चौहान ने कहा कि पूर्व में शासन को भेजी गई डीपीआर में नए मानकों के अनुसार मुआवजा देने की बात कही गई है। हालांकि शासन ने सड़क की प्रारंभिक स्वीकृति प्रदान की है। अब धनराशि प्राप्त होने का इंतजार है। लोनिवि की फिर से पत्रावली शासन को भेजने को कहा गया है।

सीएम के समक्ष रखी कोटद्वार को जिला बनाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार को जिला बनाने की मांग एक बार फिर मुख्यमंत्री के समक्ष उठी है। विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और विकास कार्यों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मोटर नगर में लंबे समय से लंबित मल्टीलेवल पार्किंग के गड्डे का समाधान करने का आग्रह किया। साथ ही नवनिर्मित बस अड्डे सहित विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री को कोटद्वार आने का निमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री आवास में हुई मुलाकात के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोटद्वार गढ़वाल का प्रवेश द्वार होने के साथ ही महत्वपूर्ण भौगोलिक और प्रशासनिक केंद्र है। क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए कोटद्वार को जिला बनाया जाना आवश्यक है। इससे क्षेत्रवासियों को प्रशासनिक सुविधाएं सुलभ होंगी और विभिन्न कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

संयुक्त निदेशक ने किया पीजी कॉलेज का निरीक्षण, हॉस्टल निर्माण की प्रगति परखी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून की संयुक्त निदेशक प्रो. संगीता गुप्ता ने शुक्रवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ परिसर में निर्माणधीन हॉस्टल की प्रगति भी परखी। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने और इसे निर्धारित समय पर पूरा करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों में पहुंचकर शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्ध संसाधनों और सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने विभागाध्यक्षों एवं प्राध्यापकों से संवाद कर विभागों के संचालन में आ रही समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

अलकनंदा में गिर रहा सीवर, स्थानीय लोगों में आक्रोश

श्रीनगर गढ़वाल : शहर के अलकेश्वर घाट मार्ग पर शुक्रवार सुबह सीवर चैंबर चोक होने से गंदगी सड़क पर बहने लगी और दो स्थानों पर सीधे अलकनंदा नदी में जा गिरी। वहीं पितृ पक्ष में अलकेश्वर घाट पर तर्पण करने पहुंचे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने जल संस्थान की कार्य प्रणाली पर नाराजगी जताई। शुक्रवार सुबह मार्ग पर चैंबर चोक होने से सीवर सड़क पर बहने लगा। स्कूली बच्चों के साथ ही कामकाज के लिए निकले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। आशुतोष, अशुल, राजेंद्र और राकेश ने बताया कि अलकेश्वर घाट मार्ग पर आए दिन सीवर चोक होने की समस्या बनी रहती है, लेकिन इसका स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। वहीं पितृ पक्ष में अलकेश्वर घाट पर तर्पण के लिए पहुंचे लोगों ने इस पर नाराजगी जताई। पवन कोटियाल ने कहा कि धार्मिक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण घाट पर सीवर पहुंचना चिंताजनक है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पूर्व वन क्षेत्राधिकारी आरपी पंत सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर पूर्व वन क्षेत्राधिकारी आरपी पंत को लैंडसेन वन प्रभाग की ओर से सम्मानित किया गया। वन्य प्राणी सप्ताह के तहत पनियाली स्थित अरण्य भवन में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से प्रकृति और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए आगे आने की अपील की।

कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र रावत, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुमन कोटनाला, कोटद्वार रेंज के रेंजर विपिन चंद्र जोशी, कोटद्वी रेंज के रेंजर अनुराग जुयाल और दुगड्डा रेंज के रेंजर रमेश चंद्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए पूर्व वन क्षेत्राधिकारी आरपी पंत को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को पर्यावरण के महत्व और इसके संरक्षण की आवश्यकता



आयोजित कार्यक्रम में आरपी पंत को सम्मानित करते अतिथि

के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण के बिना धरती पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। प्राकृतिक संसाधनों, वनों और वन्यजीवों का संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए समाज के हर वर्ग को अपनी भागीदारी

सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर कार्यशाला के तहत आयोजित रचनात्मक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूली बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त वन दंगों धीरेंद्र सिंह, सूर्यप्रकाश, दीपति नेगी, बलविंदर और शंभवी राणा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वरोजगार से जुड़ने के लिए युवाओं को किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए शुक्रवार को जिला उद्योग केंद्र में सेवा परस्ट इन्वोवेशन चैलेंज कार्याशाला आयोजित की गई।

इसमें युवाओं ने अपने नवाचारपूर्ण विचारों और व्यावसायिक प्रस्तावों को प्रस्तुत किया। निर्णायक दल ने स्टार्टअप आईडिया का मूल्यांकन कर युवाओं को उन्हें सफल उद्यम में बदलने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। कार्यशाला में जीवी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, चुड़दौड़ी, आईएचएमएस कोटद्वार और एनआईटी श्रीनगर के छात्र-छात्राओं सहित जनार्द के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कुल 55 प्रतिभागी शामिल हुए, जबकि 20 समूहों ने अपने स्टार्टअप आईडिया प्रस्तुत किए। कार्यशाला के दौरान

निर्णायक दल ने युवाओं के विचारों का मूल्यांकन करते हुए उन्हें व्यावहारिक रूप देने के लिए मार्गदर्शन किया। साथ ही स्टार्टअप की संभावनाओं, इनक्यूबेशन प्रक्रिया और उद्यम स्थापित करने से जुड़े अवसरों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने युवाओं से नौकरी तलाशने के साथ स्वरोजगार को विकल्पों पर भी विचार करने और अपने नवाचारपूर्ण विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सोमनाथ गर्ग, प्रबंधक उपासना सिंह, सहायक श्रम आयुक्त कार्यालय के सितारत सिंह रंगड़, आईआईएम काशीपुर के प्रोजेक्ट लीड कपिल कुमार मैय, मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना से तनुज पुडिर तथा उद्यमी विवेक बनिवाल, चमलाल शर्मा और विवेक जदली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भारतीय थल सेना से 31-12-2013 में सेवानिवृत्त हुआ हूं। मेरे सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम भूलवश KAVITA DEVI एवं जन्मतिथि 13-05-1972 दर्ज हो गया है, जबकि मेरी पत्नी का सही एवं वास्तविक नाम KAVITA BISHT एवं सही एवं वास्तविक जन्मतिथि 06.02.1972 है। मेरे सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम KAVITA DEVI एवं जन्मतिथि 13-05-1972 के स्थान पर मेरी पत्नी का सही व वास्तविक नाम KAVITA BISHT एवं सही एवं वास्तविक जन्मतिथि 06.02.1972 दर्ज की जाय।

आर्मी नम्बर-EX-4070548F, मोहन सिंह बिष्ट पुत्र कुंदन सिंह बिष्ट, निवासी न्यू कॉलोनी बालासोड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड। (06/14/21)

जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता में जईकाँ कमलपुर का शानदार प्रदर्शन

समूह गान राज्य स्तरीय

प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन
जयन्त प्रतिनिधि। सतलुली : श्री सिद्धबली धाम कोटद्वार में उत्तराखंड संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित जनपद पौड़ी की जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता 2026 में जनता इण्टर कॉलेज कमलपुर संगलाकोटी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं एकेश्वर ब्लॉक का नाम रोशन किया है। उत्तराखण्ड संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता 2026 का आयोजन हरिद्वार में किया जाना है। विद्यालय की छात्राओं ने वरिष्ठ वर्ग समूह गान प्रतियोगिता में अद्वितीय प्रस्तुति देते हुए जनपद स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय की टीम का चयन राज्य स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता के लिए हुआ है।



है। वहीं दूसरी ओर वरिष्ठ वर्ग संस्कृत नाटक प्रतियोगिता में भी विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाते हुए जनपद स्तर। तृतीय स्थान हासिल किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय रावत ने इस जनपद स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय की टीम का चयन राज्य स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

महाविद्यालय मे अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में ‘She fYor STEM’ कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

कोटद्वार, डॉ. पी. द. व. हि. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद , देहरादून के तत्वावधान में विज्ञान संकाय की प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं हेतु ‘She fYor STEM’ कार्यक्रम के अंतर्गत अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से परिचित करना तथा उन्हें नवाचार, कौशल विकास और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम संयोजक प्रो. इन्दु तिवारी द्वारा अतिथियों एवं छात्राओं के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ किया गया। इस अवसर पर यूकोस्ट, देहरादून से पम्बारे श्री भुवन जोशी एवं श्री सौरभ जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में श्री भुवन जोशी ने छात्राओं को ‘She fYor STEM’ कार्यक्रम के उद्देश्यों, पंजीकरण प्रक्रिया, विभिन्न चरणों एवं इससे मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्राओं को इस पहल से जुड़कर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी रूचि, प्रतिभा एवं क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने कार्यक्रम में सहभागिता की प्रक्रिया एवं इसके माध्यम से छात्राओं को मिलने वाले अवसरों के बारे में भी बताया।

द्वितीय सत्र में श्री सौरभ जोशी ने ‘She fYor STEM’ कार्यक्रम के अंतर्गत Hands-on



TrainingY के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के महत्व से परिचित कराया। इसके पश्चात विशेषज्ञों ने छात्राओं की जिज्ञासाओं का रैचक एवं सरल ढंग से समाधान किया तथा पंजीकरण प्रक्रिया से संबंधित व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. डी. एस. नेगी ने अपने संदेश में कहा कि वर्तमान समय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्राओं की भागीदारी को बढ़ावा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ‘She fYor STEM’जैसी पहल छात्राओं को अपनी वैज्ञानिक अभिरुचि पहचानने, नवाचार के प्रति प्रेरित होने तथा भविष्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने छात्राओं

से ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता कर अपने ज्ञान एवं कौशल को विकसित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को रज्जट (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित) के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें अपने भविष्य के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत छात्राओं द्वारा छारी ऋद्धर, रज्जट्ठक कार्यक्रम हेतु पंजीकरण भी कराया गया। छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा इस पहल को अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास की दिशा में उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. रजनी चमोली ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागी छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उत्तर रेलवे		
अनुबंध के आधार पर चिकित्सा चिकित्सकों (Medical Practitioners) के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू		
मुरादाबाद मंडल में अनुबंध के आधार पर 07 चिकित्सा चिकित्सकों [02-अनारक्षित (UR), 02-अनुसूचित जाति (SC), 01-अनुसूचित जनजाति (ST), 01-आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) और 01-अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)] (जीडीएमओ/विशेषज्ञ/सुपर स्पेशलिस्ट) की नियुक्ति के लिए एक वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन 21.10.2026 को मंडल रेलवे अस्पताल, मुरादाबाद में सुबह 10 बजे होगा तय हुआ है। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।		
कृते मंडल रेलवे प्रबंधक (कार्मिक) उत्तर रेलवे/मुरादाबाद मंडल		
3509/2026		
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ		

उत्तर रेलवे			
निविदा सूचना			
निविदा सूचना सं.-Elect/TRD/MB/2026-27/TN-16		दिनांक: 09.10.2026	
सिभाग	Electrical (TRD)	Electrical (TRD)	
टेंडर नं.	T-08-TRD-MB-26-27-II	T-09-TRD-MB-26-27-II	
कार्य का नाम	मुरादाबाद डिवीजन में ADSTE/HRI के अंतर्गत TUV>20000 वाले एल.सी. गेटों के इस्टरलीकरण के संबंध में टीआरसी, कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।		
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि-कार्य एवं समय	30.10.2026, 15:00 Hrs		
कार्य की अनुमानित लागत (₹):-	₹ 9154735.82 (Including GST@ 18%)		
किंड सिक्कूरी राशि (₹)	₹ 158800/-		
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹):-	Nil		
ऑफर की वैधता (दिन)	60 Days		
कार्य पूरा करने की अवधि	06 Months		
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.		
		www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.	
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ			
3519/26			

उत्तर रेलवे				
ई-निविदा सूचना				
वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।				
क्र. सं.	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लघुगण लागत (₹.)	अग्रिम धन (₹.)	निविदा फॉर्म की लागत (₹.)
1	2	3	4	5
1	SNT1-SIG-DLP-YARD2023-24 कोमन यूथर ट्रैकिंग फुलिहलिट ऑर जीसीटी तो भी डेवलप एन्टिरोली ऑन रेलवे डैड एट दलगतपूर	14170943.86	283400.00	NIL
नोट: निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। Tender Notice- SNT1-SIG-DLP-YARD2023-24 Date: 24.09.2026				निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
				15.10.2026 15:00
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ				

राज्यसभा प्रत्याशी दिनेश आर्य निर्विरोध निर्वाचित, कुमाऊं को 12 साल बाद मिली जगह



देहरादून। भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी निर्विंचित हुए। उनके सामने किसी अन्य दिनेश आर्य आज शुक्रवार को निर्विरोध प्रत्याशी का नामांकन नहीं आया था। शुक्रवार

हेमकुंड साहिब में हुई बर्फबारी



ज्योतिर्मठ। सिखों के पवित्र तीर्थ हेमकुंड साहिब के कपाट 10 अक्टूबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। कपाट बंद होने से एक दिन पहले शुक्रवार को हेमकुंड साहिब में जमकर बर्फबारी हुई जिससे पूर्ण धाम बर्फ की सफेद चादर से ढक गया। सीजन की अंतिम अरदास के साथ कपाट बंद करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस दौरान गुरुद्वारे में 2000 से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

है। श्रद्धालुओं को बर्फ से ढके हेमकुंड साहिब के मनमोहक नजारे का दीदार करने का मौका भी मिलेगा।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेट्री ने कपाट बंद करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शनिवार सुबह 10 बजे सुखमनी साहिब के पाठ के साथ कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद शब्द कीर्तन होगा। दोपहर 12:30 बजे अंतिम अरदास और एक बजे हुक्मनामा लिया जाएगा। सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच पंज प्यारों की अगुवाई में गुरु ग्रंथ साहिब को दरबार साहिब से सचखंड में सुशोभित किया जाएगा। इसके बाद हेमकुंड साहिब के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। कपाट बंद होने से ठीक पहले हुई बर्फबारी ने धाम की खूबसूरती और बढ़ा दी है।

रविवार को बंद होगा लक्ष्मण मंदिर के कपाट
हेमकुंड साहिब के साथ ही लोकपाल घाटी के अन्य धार्मिक स्थलों के कपाट बंद होने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। लक्ष्मण मंदिर के कपाट रविवार को बंद किए जाएंगे। मंदिर के पुजारी मनीष पांडे ने बताया कि कपाट बंद करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

को नाम वापसी का समय पूरा होने के बाद चुनाव आयोग की टीम उनके निर्वाचन की घोषणा की। प्रभारी सचिव विधान सभा/रिटिनिंग ऑफिसर हेम चन्द्र पन्त ने उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा। कुमाऊं से भगत सिंह कोश्यारी के बाद करीब 12 साल के बाद कोई चेहरा राज्यसभा सांसद बना।

बता दें कि दिनेश आर्य मुख्यमंत्री धामी के पीआरओ रहे हैं। 2022 विधानसभा चुनाव में इन्होंने नैनीताल सीट से दावेदारी की थी। तब भजपा ने सत्ता आर्य को टिकट दिया तो इन्होंने इस्तीफा दे दिया। बाद में मान-मनौवल्ल के तहत इनको सरकार में ज़िम्मेदारी दी गई।

असामाजिक तत्वों पर नकेल के लिए पुलिस ने बढ़ाई सख्ती
गोपेश्वर। नगर में असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए गोपेश्वर थाना पुलिस सन्नधि हो गई है। पुलिस ने गश्त तेज करते हुए सार्वजनिक स्थानों पर गुप बनावकर बैठने वालों पर नकेल कसनी शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी ने बताया कि आमजन और व्यापार मंडल के साथ बैठक में जो समस्याएं व सुझाव आए थे उनको देखते हुए शाम में पैदल गश्त को बढ़ा दिया गया है। नगर को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर पुलिस टीमें सन्नधि की गई हैं। प्रमुख चौराहे, संकरी गलियों, सुनसान रास्तों, स्कूल-कॉलेजों के आसपास व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस गश्त कर सन्धि गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने, हुड़दंग करने, महिलाओं व छात्राओं पर फाल्शियां कसने को लेकर युवाओं को सख्त चेतावनी दी जा रही है। युवाओं को नशी की गिरफ्त से दूर रखने और गलत गतिविधियों से रोकने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। सभी को संदेश दिया जा रहा है कि किसी भी तरह की अराजकता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामनगर: कॉर्बेट लिटरेचर फेस्टिवल का समापन

रामनगर। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में तीन दिवसीय कॉर्बेट लिटरेचर फेस्टिवल का बृहस्पतिवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में पहुंचे प्रसिद्ध गायक जुबिन नौटियाल ने कॉर्बेट की प्राकृतिक और वन्यजीव विरासत की सराहना करते हुए इसे उत्तराखंड का ताज बताया। उन्होंने कॉर्बेट की जैव विविधता पर आधारित लघु फिल्म की भी सराहना की।

रामनगर में पहली बार आयोजित तीन दिवसीय लिटरेचर फेस्टिवल का बृहस्पतिवार को देला स्थित एक रिसॉर्ट में समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान महोत्सव में देशभर से पहुंचे 30 से अधिक लेखक, वैज्ञानिक, पर्यावरणविद, वन्यजीव विशेषज्ञ और छायाकारों ने 20 से अधिक सत्रों में प्रकृति, वन्यजीव संरक्षण, जिम्मेदार पर्यटन, हिमालयी पारिस्थितिकी और स्थानीय संस्कृति पर विचार साझा किए।

डोबरा—नकोटखोली मोटर मार्ग पर बस सेवा नहीं

कं डीसोड (टिहरी) थोलधार ब्लॉक में डोबरा—नकोटखोली (कमांड) मोटर मार्ग पर सार्वजनिक बस सेवा नहीं है। इससे स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। 20 किमी इस सड़क पर सीमित टैक्सी सेवा होने के चलते लोगों को तीन—चार किमी पैदल चलकर चंबा—धरासू हाईवे तक पहुंचना पड़ता है। यहां तक कि जरूरी कार्य आने पर 50 रुपये किराए के बदले पांच सौ रुपये टैक्सी बुक भी करनी पड़ती है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर बस सेवा शुरू कराने की मांग की है। डोबरा—नकोटखोली मोटर मार्ग पर वर्षों बाद भी बस सेवा शुरू नहीं हो पाई है, जिससे क्षेत्र को डोबरा, उप्पू, भिल्डियाना, डांग, मंठियाली, ल्वारखा, मंजोली, रत्वाड़ी, चोपड़ा और नकोट खोली के ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिंपस राजेंद्र रांगड, पूर्व ज्येष्ठ

प्रमुख महावीर चंद रमोला, भगवान सिंह राणा, सुमर सिंह पंवार, नत्थी चंद रमोला, माधव रतूड़ी, पुष्पा देवी, प्रभा देवी ने बताया कि क्षेत्र के लोग ऋषिकेश से वांया डोबरा—चांटी होते हुए लंबगांव जाने वाली बस से डोबरा तक ही पहुंच पाते हैं। डोबरा से आगे उप्पू, भिल्डियाना, डांग और चोपड़ा आदि गांव के लोगों को डोबरा में घंटों इंतजार के बाद भी वाहन सुविधा नहीं मिल पाती है। कई बार लोगों को मजबूरी में 50 रुपये किराए के बदले पांच सौ रुपये में टैक्सी बुक कर जाना पड़ता है। इस रोड पर सुबह—शाम सीमित टैक्सी सेवा के कारण ग्रामीण तीन—चार किमी की खड़ी चढ़ाई पैदल चलकर चंबा—धरासू हाईवे पर पहुंचने को मजबूर हैं। क्षेत्र के लोगों को परिवहन विभाग और टीजीएमओ से चंबा से डोबरा होते हुए नकोटखोली मोटर मार्ग पर नियमित बस सेवा शुरू करने की मांग की है।

बढ़ी ब्याज दरों के साथ करना होगा बैंक ऋण का भुगतान

हल्द्वानी। रिजर्व बैंक ने महंगाई और कच्चे तेल के बढ़ते दामों का हवाला देकर आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ा दिया। सात अक्टूबर को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो रेट 0.25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दिया। बैंक अधिकारियों के मुताबिक जब रेपो दर बढ़ती है तो बैंकों के लिए केंद्रीय बैंक से धन प्राप्त करना महंगा हो जाता है। परिणामस्वरूप वह अपने ग्राहकों को दिए जाने वाले ऋणों पर ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। ऐसे में अब आम आदमी को बैंक से लिए गए ऋण के एवज में बढ़ी हुई ब्याज दर का भुगतान करना होगा। ऐसे पड़ता है रेपो दर का प्रभाव अधिकारियों के मुताबिक, यदि आरबीआई रेपो दर में कटौती करता है तो बैंकों के लिए आरबीआई से ऋण लेना सस्ता हो जाता है। इस लाभ में कमी का लाभ बैंक अवसर अपने ग्राहकों को कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराकर देते हैं। इससे होम लोन, वाहन लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई (मासिक किस्त) कम हो जाती है।

संस्कृत प्रतियोगिता में भुवनेश्वरी संस्कृतिक विद्यालय का शानदार प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखण्ड संस्कृत संस्थानम् द्वारा आयोजित जिला स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता का आयोजन सिद्धबली गुरुकुल, कोटद्वार में आयोजित हुआ। प्रतियोगिताओं में विद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष की लहर है। शिक्षकों ने कहा कि यह सफलता छात्रों की अथक मेहनत, निरंतर अभ्यास और गुरुजनों के मार्गदर्शन का परिणाम है। नवीन जुगल के कुशल नेतृत्व में छात्रों को प्रतियोगिताओं के लिए निरन्तर तैयार किया जाता है। पौड़ी जनपद के 15 विकासखण्डों से खण्ड स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। संस्कृत की विभिन्न विधाओं में ब्रिगंडियर विद्याधर जुगल संस्कृत विद्यालय, भुवनेश्वरी के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रेशन किया। कनिष्ठ वर्ग नाटक में प्रथम, आशुभाषण में तेजस बडोनी



प्रथम, श्लोकोच्चारण में कृष्णा पंत प्रथम, वाद-विवाद में अर्णव और शिवम बलुनी द्वितीय, वरिष्ठ वर्ग नाटक में प्रथम, आशुभाषण में अभय प्रथम, वाद-विवाद में अलोक, आयुष बलुनी प्रथम, श्लोकोच्चारण में अनुराग द्वितीय, समूह नृत्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के

छात्रों ने दल शिक्षक डॉ. नवीन ममगाई, डॉ. अणु कुकरोती, डॉ. ईशुप नाटक के नेतृत्व में प्रतिभाग किया। विद्यालय के प्रबंधक राजेन्द्र जुगल एवं प्रधानाचार्य अनुसुया प्रसाद सुन्दरियाल ने कहा कि संस्कृत के प्रति समर्पण, गुरुजनों का मार्गदर्शन और छात्रों की अथक मेहनत इन्हीं के बल पर भुवनेश्वरी ने जिला स्तरीय मंच पर फिर लहराया सफलता का परचम। ये चर्चनीत छात्र पौड़ी जनपद का प्रतिनिधित्व करते हुए 23 और 24 अक्टूबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

एक नजर

पुलिस की शारीरिक दक्षता और अनुशासन का किया आकलन

नई टिहरी।चंबा पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड में पुलिस बल की शारीरिक दक्षता, अनुशासन और कार्यकुशलता का आकलन किया गया। एसएसपी श्वेता चौबे ने परेड में शामिल होकर पुलिस अधिकारियों, जवानों और प्रशिक्षण ले रहे रिक्‍ट आरक्षियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने ड्रिल और शस्त्र प्रशिक्षण का जायजा लेते हुए रिक्‍ट आरक्षियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड में पुलिस कमियों ने अनुशासित मार्च, ड्रिल, शस्त्र संचालन और शारीरिक दक्षता अभ्यास किया। एसएसपी ने जवानों की फुर्ती, कमांड पर प्रतिक्रिया, अनुशासन और टीमवर्क का जायजा लिया। परेड के बाद एसएसपी ने रिक्‍ट प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) में स्थित भोजनालय, प्रशिक्षण कक्ष, बैरक और परिसर में उपलब्ध अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

वॉलीबाल में अल्पाइन स्कूल की बालिकाओं ने जीता रजत

उत्तरकाशी।भारतीय शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में अल्पाइन पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। वॉलीबाल प्रतियोगिता के अंडर 17 बालिका वर्ग में विद्यालय की टीम ने रजत, जबकि बालक वर्ग में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर स्थित सनराइज पब्लिक स्कूल में बीती चार, पांच अक्टूबर को आयोजित प्रतियोगिता में देशभर की टीमों ने भाग लिया। बालिका वर्ग में वैष्णवी चौहान की कप्तानी में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में दमदार खेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले में कड़े संघर्ष के बावजूद टीम को 20–21 और 19–21 से हार का सामना करना पड़ा। टीम में सौम्य देव, गौरी बिजल्वान, कनिका, अरुही रमोला, स्नेह, सोनाक्षी, अशिका राणा, दिया, अर्दित, सौम्य उनियाल और कनिका शामिल रही।

पूर्व मंत्री धनाई ने की धान की मंडाई, लोगों को खेती के लिए किया प्रेरित

नई टिहरी। जाखण्डीधार के पुनाणु गांव में पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश धनाई ने ग्रामीणों के साथ धान की मंडाई की और ग्रामीणों को खेती-किसानी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों को कृषि और उद्यान के क्षेत्र में सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने को कहा। बताया कि युवा स्वरोजगार की दृष्टि से कृषि और बागवानी के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। भाजपा नेता धनाई ने पुनाणु गांव में शुक्रवार को जन संपर्क के बाद समर्थकों के साथ ग्रामीण राजेंद्र सिंह गुसाईं के खेतों में धान की मंडाई की। बताया कि यदि जनप्रतिनिधि अपने पैतृक बंजर खेत-खलियान को संवारना शुरू कर दें तो निश्चित ही अन्य लोगों में जागरूकता आएगी और वह अपनी खेती की ओर लौटेंगे, लेकिन इसके लिए स्वयं से शुरूआत करने की जरूरत है।

ग्रामीण विकास के लिए पंचायत व्यवस्था की मजबूती पर जोर

नारकणबगड़। कैयर इन नीड वेलफेयर सोसाइटी चमोली ने शुक्रवार को ब्लॉक सभागार में त्रिस्तरीय पंचायत जनप्रतिनिधि संवाद एवं विकास संकल्प सेवा सेतु सम्मेलन आयोजित किया। थराली विधायक भूपालराम टट्टा ने इसका शुभारंभ किया। वक्ताओं ने ग्रामीण विकास के लिए त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था की मजबूती को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों की जरूरतों के अनुसार विकास को रोजमैरा बनना चाहिए। इससे उनकी आय में भी वृद्धि हो सकेगी। सोसायटी के अध्यक्ष एसके डिमरी, समन्वयक गिरीश नौटियाल, चंद्रकला नौटियाल और ब्रह्मदेव सती वक्ताओं में शामिल थे।

ओलावृष्टि से चौलाई और सन्नियों की फसल बरबाद

गोपेश्वर/पोखरी। चमोली जिले में बारिश और बर्फबारी के साथ ओलावृष्टि होने से मौसम में ठंडक बढ़ गई है। शुक्रवार को पोखरी विकासखंड के गांवों में जमकर ओलावृष्टि हुई। इससे ब्राह्मणथाला गांव में चौलाई और सन्नियों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। ओलावृष्टि से काश्तकारों की मेहनत पर पानी फिर गया है। ग्राम पंचायत ब्राह्मणथाला के प्रधान दीपक श्रृणलियाल ने बताया कि क्षेत्र में हुई भारी ओलावृष्टि से चौलाई और विभिन्न सन्नियों की फसल बरबाद हो गई है। खेती-किसानी पर निर्भर काश्तकारों को इससे भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

फसलें नष्ट होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने प्रभावित काश्तकारों को हुए नुकसान का आकलन कर नियमानुसार राहत देने की मांग की।

कर्णप्रयाग/ जिलासू/ थराली/आदिबदरी। शुक्रवार दोपहर को क्षेत्र में मूसलाधार बारिश हुई। कर्णप्रयाग में अपर बाजार से मुख्य बाजार आने वाले पैदल मार्ग पर बारिश का पानी नाली के बजाय रास्ते में बहने से लोगों को आवाजाही में



दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सिमली-डिम्बर मोटर पुल के समीप कांजवे बंद होने से हाईवे तालाब में तब्दील हो गया है। वहीं जिलासू मार्ग पर बने गड्ढों में बारिश का पानी भरने से स्कूली बच्चों, राहगीरों और वाहन चालकों को

आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। थराली और ग्वालदम में तेज गर्जना के साथ हुई बारिश से काश्तकारों की उम्मीदों फसल खराब हो गई है। बारिश से ठंड में इजाफा हो गया है।

तीन बजे खुला आईआरसीटीसी का पोर्टल, टिकट बुकिंग हुई फुल



रूद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुक्रवार से शुरू हो गई। आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर दोपहर बाद तीन बजे टिकट बुकिंग के लिए पोर्टल खुला, इसके कुछ देर बाद ही बुकिंग फुल हो गई। यात्रियों ने 16 अक्टूबर से नौ नवंबर तक की यात्रा के लिए टिकट बुक किए।

बता दें कि केदारनाथ हेली सेवा के लिए सबसे अधिक मांग रहती है। देश दुनिया से आने वाले तीर्थयात्रियों हेलिकाप्टर से केदारनाथ की यात्रा करना चाहते हैं। जिस कारण वेबसाइट खुलते ही कुछ ही घंटे में टिकट बुकिंग फुल हो जाती है। इसलिए देर किए बिना अपना टिकट बुक कर लें।

जागतोली मिनी स्टेडियम में लगे कचरे के ढेर



चोपता। दशज्यूला का निर्माणधीन जगतोली मिनी स्टेडियम इन दिनों गंदगी और कूड़े से अटा पड़ा है। मगर जिम्मेदार विभाग है कि कचरा साफ करने की जहमत नहीं उठा रहा है। गत माह जागतोली मिनी स्टेडियम में

जयवर्धन कांडपाल का कहना है कि स्वच्छता के लिए जिला पंचायत को सूचित कर दिया गया था। जिला पंचायत को शीघ्र स्टेडियम से कूड़ा निस्तारित करना चाहिए।

पांच दिवसीय दशज्यूला महोत्सव का आयोजन हुआ था जिसमें बड़ी संख्या में अस्थायी दुकानें लगाई गई थीं। सैकड़ों लोग यहां पहुंचे थे। मेला सफल रूप से संपन्न हो गया लेकिन यहां बड़ी मात्रा में गंदगी और कचरा यहां फैला हुआ है। मेले को समाप्त हुए 15 दिन हो गए हैं लेकिन अभी तक मिनी स्टेडियम में बिखरा कूड़ा अभी तक नहीं हटाया गया है। इस संबंध में मेला समिति के अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य

बहाने बनाकर कार्य लटकाने वालों अफसरों पर होगी कार्रवाई : उपाध्याय

नई टिहरी। टिहरी विधानसभा क्षेत्र में लंबित सड़कों की समीक्षा बैठक लेते हुए टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने लोनिवि के अधिकारियों को मामलों के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बहाने बनाकर कार्य लटकाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय सभागार में टिहरी विधायक उपाध्याय ने टिहरी विधानसभा क्षेत्र में स्वीकृत और निर्माणधीन सड़कों की समीक्षा लेते हुए लोनिवि के अधिकारियों को वन भूमि हस्तांतरण, प्रतिकर भुगतान आदि समस्याओं को दूर कर सड़कों का निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कि विवादों के निस्तारण में जनप्रतिनिधियों का सहयोग जरूर लें। विधायक ने सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश भी दिए।

लोनिवि के अधीक्षण अभियंता केएस नेगी ने डंडासली गांव के लिए सड़क निर्माण, भोनाबागी-चवालखेत सड़क के अंतिम भाग का चौड़ीकरण, चंबा बाड़पास मार्ग का डामरीकरण, भेटुड़ी-चंबा

खाताधारक के पति को दिया बीमा क्लेम

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड ग्रामीण बैंक की खांकरा शाखा ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत एक मृतक खाताधारक के पति को 2 लाख रुपये का बीमा क्लेम सौंपा है। यह राशि दिवंगत प्रभा देवी के पति देवेंद्र सिंह के पति प्रभा देवी के पति देवेंद्र सिंह को बैंक ने चेक प्रदान किया। देवेंद्र सिंह पत्नी प्रभा देवी की मौत के बाद उनका बचत खाता बंद करने बैंक आए थे। खाते की जांच के दौरान प्रबंधक को पता चला कि प्रभा देवी का बीमा था। प्रबंधक ने उन्हें योजना की जानकारी दी और क्लेम प्रक्रिया पूरी करवाई।

उच्च शिक्षा के बाद स्वरोजगार के अवसर के बारे में बताया

नई टिहरी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में कोशल विकास एवं उद्यमिता विकास पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में छात्रों को उच्च शिक्षा के बाद करियर के विकल्पों, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसरों के बारे बताया। प्राचार्य प्रो प्रीति कुमारी ने कहा कि डिजिटल युग में तकनीक का प्रभावी उपयोग, व्यावहारिक कौशल विकास और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति युवाओं को बेहतर भविष्य की ओर ले जा सकती है।

समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डा.अनिल भट्ट, समन्वयक डा.संजय कुमार ने छात्रों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप करियर चुनकर स्वरोजगार के नए अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। आपदा प्रबंधन के मास्टर ट्रेनर अनिल सकलानी ने छात्रों को आपदा की स्थिति में खोज एवं बचाव कार्यों के बारे में बताया। इस मौके पर डॉ. अनिल भट्ट, डॉ. डीएस तोपवाल, डॉ. नूर हसन, डॉ. ऋतुराज पंत, डॉ. संजय कुमार, डॉ. हिमानी, डॉ. मीनाक्षी शर्मा आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त

समाचार

नेपाल में फिर कांपी धरती: पश्चिमी क्षेत्र में आया 4.1 तीव्रता का भूकंप, कई जिलों में महसूस किए गए झटके

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में बुधवार रात 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके बनुरा के साथ आसपास के कई जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, अभी तक कहीं से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के मुताबिक, भूकंप बुधवार रात स्थानीय समयानुसार 9:37 बजे आया। भूकंप का केंद्र सुदूरपश्चिम प्रांत के बनुरा जिले की बुधीगंगा नगरपालिका-10 में जमीन के भीतर था। यह जगह राजधानी काठमांडू से करीब 750 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। भूकंप के झटके बनुरा के अलावा पड़ोसी बाजुरा, कालिकोट और अछाम जिलों में भी महसूस किए गए। अचानक धरती हिलने से इन इलाकों में लोगों का भूकंप का अहसास हुआ, हालांकि फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। नेपाल में सालभर छोट-बड़े भूकंप आते रहते हैं। हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने की वजह से यह देश दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय इलाकों में शामिल है। नेपाल का बड़ा हिस्सा भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आता है, जिसके चलते यहां भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है।

क्रिस्टा पाइक की नाकाम कोशिश के बाद अमेरिका में पहली फांसी

टेक्सास , एजेंसी। टेक्सास में 46 वर्षीय जमाल हॉवर्ड को बुधवार शाम घातक इंजेक्शन देकर फांसी दी गई। वह इस साल अमेरिका में फांसी दिए जाने वाला 30वां व्यक्ति और टेनेसी में क्रिस्टा पाइक को घातक इंजेक्शन देने की नाकाम कोशिश के बाद देश में फांसी पाने वाला पहला कैदी है। हंटसविले की जेल में पेटोबाबिंटल की घातक खुराक दिए जाने के बाद हॉवर्ड को रात 8:03 बजे मृत घोषित किया गया। उसे 2000 में सिसिफी शहर के एक स्टोर में डकैती के दौरान 42 वर्षीय कर्मचारी वीकी स्वाटआउट की गोली मारकर हत्या करने का दोषी ठहराया गया था। घटना की निगरानी कैमरे की फुटेज भी अदालत में सबूत के तौर पर पेश की गई थी। फांसी से पहले 70 किलोमीटर की यात्रा के दौरान हॉवर्ड अधिकारियों से बातचीत करता रहा और प्रक्रिया को लेकर सवाल पूछता रहा। अंतिम बयान में उसने पीड़िता के परिवार से माफी मांगी।

दो करोड़ लोगों से लिया शुल्क, गूगल के खिलाफ ब्रिटेन में मुकदमा शुरू

लंदन, एजेंसी। प्ले स्टोर पर पेड सुविधा, गेमिंग आइटम या इन-ऐप सब्सक्रिप्शन पर ऐप डेवलपर्स से 30% तक की फीस लेने के मामले में गूगल को ब्रिटेन में बड़ा झटका लगा है। लंदन की अदालत में इस मामले पर कंपनी के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गया है। मुकदमे का मुख्य आरोप यह है कि गूगल के इस भारी कमीशन के कारण ऐप डेवलपर्स को अपने ऐप्स और सर्विसेज के दाम बढ़ाने पड़े। मामले की अगुवाई कर रही उपभोक्ता नीति विशेषज्ञ लिज कोल का कहना है कि ब्रिटेन के लगभग 2 करोड़ उपभोक्ताओं ने अनजाने में इन छिपे हुए शुल्कों के कारण ऐप्स और गैप्स के लिए ज्यादा कीमती चुकाई है। शिकायतकर्ता का दावा है कि गूगल ने मोबाइल बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का गलत इस्तेमाल (एकाधिकार का दुरुपयोग) किया है, इसलिए ग्राहकों का पैसा वापस मिलना चाहिए। वहीं अपने बचाव में गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट का कहना है कि एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं को अन्य ऐप स्टोर इस्तेमाल करने की पूरी आजादी देता है।

काला सागर में सुरक्षा पर रूस-यूक्रेन युद्ध का असर

सोफ्रिया, एजेंसी। बुल्गारिया की राष्ट्रपति इलियाना योतोवा ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण काला सागर क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति में ‘महत्वपूर्ण गिरावट’ आई है। बुल्गारिया के तट के पास ड्रोन हमलों में दो वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने के बाद सुरक्षा परिषद की आपात बैठक हुई। हमलों में टोगो-ध्वज वाला जहाज अल्फा वतन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर डूब गया, जबकि पलाउ-ध्वज वाला एबल आग घने के बाद क्षतिग्रस्त हुआ। एबल के सभी 18 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया, लेकिन अल्फा वतन के चालक दल की तलाश बुधवार को रोक दी गई और किसी जीवित व्यक्ति या शव का पता नहीं चल सका।

रुसी लैब में कर्मचारी की मौत पर डब्ल्यूएचओ ने मांगी जानकारी, प्लेग की आशंका, खतरे का अभी पता नहीं

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडेर्गेनॉम गैबरेयेसस ने रूस के एक प्लेग संबंधी लैब में एक कर्मचारी की मौत पर सरकार से और जानकारी मांगी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के पास अभी तक घटना की पूरी जानकारी नहीं है, जिससे वह खतरे का आकलन करने में असमर्थ है। एक मीडिया ब्रीफिंग में बुधवार को टेड्रोस ने कहा कि शुरुआती मीडिया रिपोर्ट्स में इस्कूत्स्क एंटीप्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में लैब में अचानक से हुए न्यूमोनिक प्लेग के संदिग्ध मामले का सुझाव दिया गया था। टेड्रोस ने कहा कि डब्ल्यूएचओ को पता था कि रूसी सरकार ने 2 अक्टूबर को एक मीटिंग की थी, जब उन्हें शक था कि इस्कूत्स्क ओल्वास्ट के एक रहने वाले को खतरनाक इंफेक्शन हो गया है। उन्होंने कहा, ‘शनिवार को डब्ल्यूएचओ ने इंटरनेशनल हेल्थ रेगुलेशंस के मुताबिक रूसी

सऊदी एयरपोर्ट पर हतियों का हमला, 3 की मौत

ड्रोन-मिसाइल हमले में 36 घायल; जवाब में यमन के 80 ठिकानों पर सऊदी की एयरस्ट्राइक

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट्स पर हूती विद्रोहियों ने ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही 36 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने बुधवार को यह जानकारी दी। आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है। वहीं, यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हतियों के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।

विदेशी नागरिकों ने हमले में जान गवाई**:** आभा एयरपोर्ट पर हमले में मोरक्को और अल्जीरिया की दो महिला नागरिकों की मौत हुई। साथ ही यहां 28 लोग घायल हुए, जिनमें सऊदी, बांग्लादेशी और फिलीपींस के नागरिक शामिल हैं। वहीं, किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक सूखानी नागरिक की मौत हुई। यहां 8 लोग घायल हुए, जिनमें 5 सऊदी नागरिक, 2 मिस्र के निवासी और एक पाकिस्तानी निवासी शामिल हैं।

जीएससीए ने बताया कि सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। साथ ही अधिकारी सुविधाओं की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं और यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

हतियों ने अरामको रिफाइनरी पर हमले का भी दावा किया**:** इससे पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या



सरी ने सऊदी अरब में कई जगहों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। इसमें रबीघ में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी अरामको पर हमला भी शामिल है। सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्लूज मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तीन बड़े सैन्य अभियान चलाए। पहले हमले में रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। सरी ने दावा किया कि हमला सीधे लक्ष्य पर हुआ और इससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। दूसरे हमले में रबीघ स्थित अरामको की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। सरी ने दावा किया कि हमले के बाद वहां आग लग गई। तीसरे हमले में हतियों ने आभा एयरपोर्ट, खमिस् मुशैत एयरबेस और असीर क्षेत्र के अकिफा कैंप को निशाना बनाने का दावा किया। इसके अलावा नजरा और जिजान में अन्य

महत्वपूर्ण ठिकानों पर भी हमले किए जाने की बात कही गई। सरी ने दावा किया कि ये हमले यमन पर सऊदी अरब के हमलों के जवाब में किए गए। उनके मुताबिक, इससे पहले के 24 घंटों में सऊदी अरब ने यमन पर 60 हवाई और मिसाइल हमले किए थे।

सऊदी ने यमन में मिसाइल लॉन्च करने वाला ठिकाना नष्ट किया**:** इस बीच, यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया कि उसने रियाद पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए एक और इससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। दूसरे हमले में रबीघ स्थित अरामको की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। सरी ने दावा किया कि हमले के बाद वहां आग लग गई। तीसरे हमले में हतियों ने आभा एयरपोर्ट, खमिस् मुशैत एयरबेस और असीर क्षेत्र के अकिफा कैंप को निशाना बनाने का दावा किया। इसके अलावा नजरा और जिजान में अन्य

विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रही है। इसका मकसद यमन और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के पास कब्जाए इलाकों को वापस पाना है। इस सैन्य अभियान में यमन सरकार को सऊदी अरब से समर्थन मिल रहा है। सितंबर में हतियों ने यमन के लाल सागर तट पर तैजी से बढ़ते हुए मोचा शहर और बाब अल-मंदेब के आसपास के कई अहम इलाकों पर कब्जा कर लिया था। इससे इस रणनीतिक समुद्री रास्ते पर हतियों की पकड़ मजबूत हो गई थी। लेकिन अब तख्सीर बदल गई है। 5 अक्टूबर को सऊदी समर्थित यमनी सेना ने हतियों के खिलाफ बड़ा जवाबी अभियान शुरू किया। यमनी सेना ने बाब अल-मंदेब के पास धुबाब इलाके और कई अहम ठिकानों पर दोबारा कब्जे का दावा किया। इसके बाद सेना मोचा की तरफ बढ़ी और यमनी सरकार ने शहर को भी हतियों से वापस लेने का दावा किया। रॉयटर्स के मुताबिक, सरकारी बलों ने हतियों को पिछले महीने कब्जे में लिए गए ज्यादातर इलाकों से पीछे धकेल दिया है। अल जजीरा के मुताबिक, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में संगठन ने यमन में सरकारी बलों के 11 ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए। सरी के मुताबिक, यमनी सरकार के बलों को बाब अल-मंदेब के पास प्रमुख रास्तों पर निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों में दर्जनों लोग हलाक हुए, जिनमें सैन्य कमांडर भी शामिल थे। कई गाड़ियां भी नष्ट हो गईं।

टेक्सास में ट्रंप की रैली में प्रदर्शनकारियों ने डाला खलल

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार रात टेक्सास के सैन एंटोनियो में रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवार केन पैक्सटन के समर्थन में रैली की। ट्रंप का लक्ष्य ऐसे समय में टेक्सास के मतदाताओं को रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में लामबंद करना है, जब राज्य में डेमोक्रेसट को चुनौती बढ़ रही है। रैली के दौरान कम से कम एक दर्जन प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के भाषण को बार-बार बाधित किया और कुछ को पुलिस ने बाहर निकाल दिया।

एक प्रदर्शनकारी के विरोध के बाद ट्रंप कुछ देर के लिए माइक्रोफोन से दूर चले। उन्होंने ईरान युद्ध को लेकर अपनी हालिया टिप्पणी पर भी सफाई दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर ईरान किसी अमेरिकी शहर पर हमला करता है तो अमेरिका इसकी अनुमति नहीं देगा। ट्रंप ने कहा, ‘हम अपने शहरों की रक्षा करते हैं। हम अपने देश की रक्षा करते हैं।’

टेक्सास लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी का मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति की कम अप्रचल रेटिंग, ईरान युद्ध और बढ़ती गैस कीमतों ने रिपब्लिकन नेताओं की चिंता बढ़ा दी है। ट्रंप एक महीने से भी कम समय में तीसरी बार टेक्सास पहुंचे हैं और पार्टी ने राज्य में चुनावों के लिए अब तक 30 करोड़ डॉलर से अधिक खर्च किए हैं। रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट ने रैली में हिस्सा नहीं लिया, जिस पर डेमोक्रेसट ने निशाना साधा। वहीं, सीनेट की दौड़ में भी मजबूत फंडेरेजिंग और पैक्सटन से जुड़े विवादों ने मुकाबले को कड़ा बना दिया है। ट्रंप ने पैक्सटन को ‘शायद अमेरिका के सबसे महान अर्दोर्नी जनरल’ बताया और उनके समर्थन में जोरदार अपील की, जबकि उन्होंने अपना अधिकार भाषण तालारिको पर हमले करने में खर्च किया।

सीक्रेट मिशन का झांसा: सीआईए के पूर्व अफसर ने हड़पी सोने की सिल्लियां और 1843 करोड़

अलेक्जेंड्रिया, एजेंसी। अमेरिका की सबसे ताकतवर और खुफिया जासूसी एजेंसी ‘सीआईए’ के भीतर से एक एंडेस सनसनीखेज फर्जीबाड़ा सामने आया है, जिसने सुरक्षा और ऑडिटिंग व्यवस्था की ध्वजियां उड़ा दी हैं। एजेंसी के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने अत्यंत गोपनीय सरकारी मिशन का झूठा ताना-बाना बुनकर सरकार के खजाने से सैकड़ों सोने की सिल्लियां और अरबों रुपए के फंड अपने निजी ऐशो-आराम के लिए हड़प लिए। वर्जीनिया की संघीय अदालत में मंगलवार को 49 वर्षीय पूर्व सीआईए अधिकारी डेविड जे. रश ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, रश



ने अपने पद और सरकारी अधिकार का दुरुपयोग करते हुए 40 मिलियन डॉलर (करीब 380 करोड़ रुपये) से अधिक की सोने की सिल्लियां और फ्लोरिडा में करोड़ों की लगजरी

संपत्तियां अवैध रूप से हासिल की थीं। अमेरिकी न्याय विभाग (डोजे) के अनुसार, रश के इस सुपरियोजित फर्जीबाड़े से अमेरिकी संघीय सरकार को कुल मिलाकर लगभग 194 मिलियन डॉलर (करीब 1,843 करोड़ रुपये) का भारी नुकसान हुआ है। रश ने वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप स्वीकार कर लिया है, जिसके तहत उसे अधिकतम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। जिला जज माइकल नोचमनॉफ आगामी 28 जनवरी 2027 को रश की सजा का ऐलान करेंगे। जांच में सामने आया कि रश ने सरकारी पैसों और सोने पर हाथ साफ करने के लिए एक काल्पनिक जासूसी ऑपरेशन की

पटकथा तैयार की थी। रश ने सहयोगियों और सरकारी ठेकेदारों से झूठ बोला कि वह उच्चाधिकारियों द्वारा अधिकृत एक अत्यंत संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा गतिविधि पर काम कर रहा है। इसी बहाने उसने संघीय खजाने से सोने की सिल्लियां जारी करवा लीं। इसके बाद डेविड जे. रश ने 145 मिलियन डॉलर (करीब 1,377.5 करोड़ रुपये) सरकारी रकम को अपनी एक लक्ष्य कंपनी में ट्रांसफर का एलान किया। इस पैसे से उसने पाम बीच और होब साउंड (साउथ फ्लोरिडा) में 4 आलीशान संपत्तियां खरीदीं, जिन्हें वह बाद में ऊंचे दामों पर बेचकर व्यक्तिगत मुनाफा कमाना चाहता था।

मैंने आठ युद्ध खत्म कराए : ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में अपने कामों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे कदम उठाए हैं, जिनकी मिसाल पहले देखने को नहीं मिली। उन्होंने कहा, ‘मैंने वो काम किए हैं, जो किसी और ने कभी नहीं किए। मैं अपनी तरीफ नहीं कर रहा, बल्कि सिर्फ तथ्य बता रहा हूँ। शायद ही किसी राष्ट्रपति ने कभी कोई युद्ध खत्म कराया हो। मैंने आठ युद्ध खत्म कराए हैं।’

रिस्क का सही असेसमेंट करने के लिए जरूरी है: उसी मीडिया ब्रीफिंग में टेड्रोस ने बच्चों और किशोरों में बढ़ते मोटापे से निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ की नई गाइडलाइंस पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 25 सालों में बच्चों और किशोरों में मोटापे का फैलाव चार गुना बढ़ गया है, जो 2 परसेंट से बढ़कर 8 परसेंट हो गया है। टेड्रोस ने कहा, ‘दुनिया भर में 170 मिलियन से ज्यादा बच्चे और किशोर अब मोटापे के साथ जी रहे हैं।’ नई गाइडलाइंस में मोटापे से जुड़ा रहे बच्चों और किशोरों के लिए डाइट, व्यवहार और फिजिकल एक्टिविटी में स्ट्रक्चर्ड बदलावों की जोरदार सलाह दी गई है।

एफबीआई की सतर्कता से टली बड़ी मुसीबत, मॉल ऑफ अमेरिका पर हमले की साजिश नाकाम

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने बुधवार को दावा किया कि उसने मॉल ऑफ अमेरिका पर हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि एफबीआई के एजेंट ही आईएसआईएस के आतंकी बनकर आरोपी किशोर के संपर्क में थे। एजेंट्स ने ही किशोर के कहने पर हमले की योजना बना रहे किशोर को असांठ राइफल मुहैया कराई थी। हालांकि हमले को अंजाम देने से पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एफबीआई ने क्या बताया: अधिकारियों ने बताया कि 18 वर्षीय युवक करीब दो साल से जांच के दायरे में था और इस दौरान वह एफबीआई के एक गोपनीय मुखबिर के साथ लगातार संपर्क में था। बाद में एजेंटों ने उसे राइफल और गोला-बारूद बेचने का प्रस्ताव दिया। अमेरिकी अर्दोर्नी डेनियल रोसेन पर एफबीआई की जांच की सराहना करते हुए कहा, ‘यह एक कट्टरपंथी विचारों वाला युवक

था, जिस पर नजर रखने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि एजेंटों ने ‘खतरे का पता लगाने और उसे रोकने में सफलता हासिल की, इससे पहले कि आरोपी अपनी उस मंशा को अंजाम दे पाता, जिसके तहत, उसके अपने शब्दों में, वह 30 से 60 लोगों की हत्या करना चाहता था।’ शिकायत के अनुसार, 18 वर्षीय शोखदून अब्दुल्लाही मोहम्मद को मंगलवार को मॉल ऑफ अमेरिका से कई मील उत्तर-पश्चिम में रिचफील्ड के एक सार्वजनिक पार्क से गिरफ्तार किया गया। उसने आईएसआईएस के सदस्य के रूप में खुद को पेश कर रहे एफबीआई के एक अंडरकवर एजेंट को एके-47 राइफल और 200 राउंड गोलियां खरीदने के लिए 600 अमेरिकी डॉलर दिए थे।

शिकायत में कहा गया है कि एफबीआई के एक गोपनीय सूत्र के साथ टेक्स्ट संदेशों में मोहम्मद ने गैर-मुस्लिम लोगों की हत्या के लिए हमला करने की अपनी मंशा बार-बार जाहिर की थी।

घाना के मंत्रिमंडल ने ब्रिक्स में शामिल होने के प्रस्ताव को मंजूरी दी



मजबूत करना चाहता है, जिनक साथ इस परिषद अफ्रीकी देश के पहले से ही व्यापक व्यापार और निवेश संबंध हैं. सैम ओकुदजेटो अबलाकवा ने कहा कि ब्रिक्स की सदस्यता से घाना को अपनी अर्थव्यवस्था को बदलने, नौकरियां सृजित करने, औद्योगीकरण करने और ‘संसाधन संप्रभुता’ के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए ज्यादा विकल्प मिलेंगे. उन्होंने कहा कि घाना अब सदस्यता के लिए औपचारिक रूप से आवेदन करने और मौजूदा ब्रिक्स सदस्यों को मिलकर काम करना चाहिए. जयशंकर ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा,

“अफ्रीका हमारे दिल में बसता है और ऐसी साझेदारी करेंगे, जो केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए होगी.” उन्होंने यह बात घाना के विदेश सेवा संस्थान में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद कही. जयशंकर मंगलवार को घाना पहुंचे. यह उनकी तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा का पहला पड़ाव है और इसके बाद कोटे डी आइवर और इथियोपिया जाएंगे. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां घाना के अपने समकक्ष सैम ओकुदजेटो अबलाकवा से मुलाकात की तथा इस दौरान दोनों देशों ने बहुपक्षीय सहयोग और अफ्रीकी संघ तथा ईसीओडब्ल्यूएएस के साथ दिल्ली के बढ़ते जुड़ाव पर चर्चा की. उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों में आई गति पर बातचीत की. जयशंकर ने कहा कि उन्होंने घाना के अपने समकक्ष अबलाकवा के साथ व्यापक बातचीत की।

ट्रंप की नोबेल शांति पुरस्कार पर फिर दावेदारी: बोले- आठ युद्ध रुकवाए, सम्मान नहीं मिला तो समिति की होगी बदनामी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार पर अपना दावा ठोक दिया है। उनका कहना है कि उन्होंने दुनिया में आठ युद्ध खत्म कराए हैं और ऐसे काम किए हैं, जो उनसे पहले किसी ने नहीं किए। ट्रंप ने साफ कहा कि अगर इतने बड़े काम करने के बाद भी उन्हें यह सम्मान नहीं मिलता, तो इससे नोबेल पुरस्कार देने वाली समिति की साख को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने ये बातें बुधवार दोपहर क्वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को नॉर्वे की नोबेल समिति करने वाली है।

मैंने आठ युद्ध खत्म कराए : ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में अपने कामों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे कदम उठाए हैं, जिनकी मिसाल पहले देखने को नहीं मिली। उन्होंने कहा, ‘मैंने वो काम किए हैं, जो किसी और ने कभी नहीं किए। मैं अपनी तरीफ नहीं कर रहा, बल्कि सिर्फ तथ्य बता रहा हूँ। शायद ही किसी राष्ट्रपति ने कभी कोई युद्ध खत्म कराया हो। मैंने आठ युद्ध खत्म कराए हैं।’

सम्मान नहीं मिला तो नोबेल समिति पर उठेंगे सवाल : अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि नोबेल समिति की खिंफ ऐसी रही है कि वह शायद उनके जैसे व्यक्ति कि यह पुरस्कार नहीं देना चाहती। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पुरस्कार मिले या न मिले, वह पहले ही बहुत कुछ कर चुके हैं। ट्रंप के मुताबिक, जब कोई नेता आठ युद्ध



रुकवाने का दावा करता है, तो उसके योगदान को नजरअंदाज करना समिति के लिए बड़ा नुकसान साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह यह बात किसी नाराजगी या तंज के तौर पर नहीं, बल्कि अपने कामों के आधार पर कर रहे हैं।

आठ युद्ध से जारी युद्ध पर भी ट्रंप की नजर : ट्रंप ने संकेत दिया कि उनकी युद्ध रुकवाने की कोशिशें अभी खत्म नहीं हुई हैं और वह एक और संघर्ष को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। माना जा रहा है कि उनका इशारा अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध की ओर था, जो अब आठवें महीने में पहुंच चुका है। ट्रंप ने इस संभावित पहल को लेकर विस्तार से कुछ नहीं बताया, लेकिन उनके बयान से साफ है कि वह अपने शांति प्रयासों को नोबेल पुरस्कार के दावे का अहम आधार बना रहे हैं। ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को 2009 में मिले नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा कि वह खुद इस सम्मान के ज्यादा हकदार हैं। उन्होंने ओबामा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें आज तक समझ नहीं आया कि यह पुरस्कार किस वजह से मिला था। ट्रंप के मुताबिक, ओबामा को राष्ट्रपति चुने जाने के तुरंत बाद ही यह सम्मान दे दिया गया था।



भिंडी एक लोकप्रिय सब्जी है। सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है जिसे लोग लेडीज फिंगर या ओकरा के नाम से भी जानते हैं। भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। मुख्य Lady Fingerv रूप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवणों जैसे कैल्शियम, फास्फोरस के अतिरिक्त विटामिन ए, बी, सी, थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है।

मेन्कोजेब कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। पुरे खेत को उचित आकार की पट्टियों में बांट लें जिससे कि सिंचाई करने में सुविधा हो। वर्षा ऋतु में जल भराव से बचाव हेतु उठी हुई क्यारियों में भिण्डी की बुवाई करना उचित रहता है।

बुआई का समय
ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में तथा वर्षाकालीन भिंडी की बुवाई जून-जुलाई में की जाती है। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।



भिंडी की खेती-बुआई एवं खेत की तैयारी

इसमें विटामिन ए तथा सी पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। म.प्र. में लगभग 23500 हे. में इसकी खेती होती है। प्रदेश के सभी जिलों में इसकी खेती की जा सकती है। अधिक उत्पादन तथा मौसम की भिंडी की उपज प्राप्त करने के लिए संकर भिंडी की किस्मों का विकास कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। ये किस्में यलो वेन मोजक वाइरस रोग को सहन करने की अधिक क्षमता रखती हैं। इसलिए वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर उच्च गुणवत्ता का उत्पादन कर सकते हैं।

भूमि व खेत की तैयारी

भिंडी के लिये दीर्घ अवधि का गर्म व नम वातावरण श्रेष्ठ माना जाता है। बीज उगने के लिये 27-30 डिग्री सेग्रे तापमान उपयुक्त होता है तथा 17 डिग्री सेग्रे से कम पर बीज अंकुरित नहीं होता। यह फसल ग्रीष्म तथा खरीफ, दोनों ही ऋतुओं में उगाई जाती है। भिंडी को उत्तम जल निकास वाली सभी तरह की भूमियों में उगाया जा सकता है। भूमि का पी0 एच मान 7.0 से 7.8 होना उपयुक्त रहता है। भूमि की दो-तीन बार जुलाई कर भुरभुरी कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उत्तम किस्में

पूसा ए-4

यह भिंडी की एक उन्नत किस्म है। यह प्रजाति 1995 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा निकाली गई है। यह एफिड तथा जैसिड के प्रति सहनशील है। यह पीतरोग यैलो वेन मोजेक विषाणु रोधी है। फल मध्यम आकार के गहरे, कम लस वाले, 12-15 सेमी लंबे तथा आकर्षक होते हैं। बोने के लगभग 15 दिन बाद से फल आना शुरू हो जाते है तथा पहली तुड़ाई 45 दिनों बाद शुरू हो जाती है। इसकी औसत पैदावार ग्रीष्म में 10 टन व खरीफ में

15 टन प्रति है।

परभनी क्रांति

यह किस्म पीत-रोगरोधी है। यह प्रजाति 1985 में मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, परभनी द्वारा निकाली गई है। फल बुआई के लगभग 50 दिन बाद आना शुरू हो जाते हैं। फल गहरे हरे एवं 15-18 सेमी लम्बे होते हैं। इसकी पैदावार 9-12 टन प्रति है।

पंजाब-7

यह किस्म भी पीतरोग रोधी है। यह प्रजाति पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा निकाली गई है। फल हरे एवं मध्यम आकार के होते हैं। बुआई के लगभग 55 दिन बाद फल आने शुरू हो जाते हैं। इसकी पैदावार 8-12 टन प्रति है।

अर्का अभय

यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई है। यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है। इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे तथा अच्छी शाखा युक्त होते हैं। अर्का अनामिका यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई है। यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है। इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे व अच्छी शाखा युक्त होते हैं। फल रोमरहित मुलायम गहरे हरे तथा 5-6 धारियों वाले होते हैं। फलों का डठल लम्बा होने के कारण तोड़ने में सुविधा होती है। यह प्रजाति दोनों ऋतुओं में उगाई जा सकती है। पैदावार 12-15 टन प्रति है हो जाती है।

हिसार उन्नत

वर्षा उपहार

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है। यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है। पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं। पौधे में 2-3 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं। पत्तियों का रंग गहरा हरा, निचली पत्तियां चौड़ी व छोटे छोटे लोब्स वाली एवं ऊपरी पत्तियां बड़े लोब्स वाली होती है। वर्षा ऋतु में 40 दिनों में फूल निकलना शुरू हो जाते हैं व फल 7 दिनों बाद तोड़े जा सकते हैं। फल चौथी पांचवी गांठों से पैदा होते हैं। औसत पैदावार 9-10 टन प्रति है. होती हैं। इसकी खेती ग्रीष्म ऋतु में भी कर सकते हैं।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है। पौधे की औसतन ऊँचाई वर्षा ऋतु में 175 सेमी तथा गर्मी में 130 सेमी होती है। इंटरनोड पासपास होते हैं। औसतन 38 वें दिन फूल निकलना शुरू हो जाते हैं। गर्मी में इसकी औसत पैदावार 13.5 टन एवं बरसात में 18.0 टन प्रति है. तक ली जा सकती है।

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है। पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं। पौधे में 3-4 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं। पत्तियों का रंग हरा होता है। पहली तुड़ाई 46-47 दिनों बाद शुरू हो जाती है। औसत पैदावार 12-13 टन प्रति है होती हैं। फल 15-16 सेमी लम्बे हरे तथा आकर्षक होते हैं। यह प्रजाति वर्षा तथा गर्मियों दोनों समय में उगाई जाती है।
वी.आर.ओ.-6
इस किस्म को काशी प्रगति के नाम से भी जाना जाता है। यह प्रजाति भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा 2003 में निकाली गई है।

सिंचित अवस्था में 2.5 से 3 किग्रा तथा असिंचित दशा में 5-7 किग्रा प्रति हेक्टेअर की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए 5 किग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है। भिंडी के बीज सीधे खेत में ही बोये जाते हैं। बीज बोने से पहले खेत को तैयार करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है। ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15-20 सेमी. रखनी चाहिए। बीज की 2 से 3 से.मी. गहरी बुवाई करनी चाहिए। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम



परिचय
झारखंड की जलवायु तथा मिटटी जैट्रोफा की खेती के लिए उपयुक्त है। सभी

24 जिलों में वृहत जलवायु तथा समशीतोष्ण प्रक्षेत्रों में पथरीले, रेतीले, कम उपजाऊ तथा बंजर भूमि पर खेती की जा सकती है। दोमट

भूमि में खेती अच्छी होती हैं, परन्तु जल जमाव वाली जमीन खेती के लिए उपयुक्त नहीं है। अन्य प्रदेशों में जैसे मध्य प्रदेश, उड़ीसा,

छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आदि के किसान भी जैट्रोफा की खेती करते हैं।

जैट्रोफा की खेती

कैसे करें रतनजोत की खेती

जैट्रोफा को आम भाषा में रतनजोत कहा जाता है। इसे विभिन्न स्थानों पर लगभग 200 नामों से जाना जाता है जैसे सफेद अरण्ड, जंगली अरण्ड, बाघ अरण्ड, चंदर्जौत, जमालगोटा आदि। इसका वैज्ञानिक नाम फ्रजेट्रोफा करकसफ्र है। किसान जुलाई माह में जैट्रोफा के बीज सीधी बुआई द्वारा तैयार गड्ढों में कर जैट्रोफा के पौधे उगा सकते हैं। बोने के पहले बीज को 12 घंटों तक पानी में भिगोते हैं।

नर्सरी में तैयार पौधों को किसान अपने बंजर भूमि एवं खेतों के मेड़ों में लगा सकते हैं। नर्सरी में तैयार करने के लिए मार्च-अप्रैल महीने में 1 मी. x 10 मी. तथा 5 सें.मी. दूरी पर 2 सें.मी. की गहराई पर बोयें। इसे कटिंग द्वारा भी लगाया जा सकता है। कटिंग 2-3 माह बाद नर्सरी बेड से रोपाई वाले क्षेत्र में जुलाई-अगस्त में लगाते हैं।
प्रभेद - आर जे-117 जी.आई.ई. नागपुर, बामुंडा तथा एसडीएसटी-1 अधिक उपज देती है।
उपज- दिसम्बर-जनवरी में काले रंग के

फलों को तोड़ लेते है। तीसरे वर्ष किग्रा. बीज प्रति पौधा प्राप्त होता है। पौधे वर्ष में 1 किग्रा./पौधा तथा आगे प्रति वर्ष उपज बढ़ती है। स्वस्थ एवं मजबूत पौधे होने पर 3-4 किग्रा. प्रति पौधा की दर से उपज प्राप्त कर सकते हैं। प्रायः 6-10 रु./किग्रा. बीज की विक्रय दर से आय प्राप्त कर सकते हैं। पेट्राई कर तेल बेचने पर अधिक आय मिलती है।

जैट्रोफा की खेती-किसानों के लिए उपयोगी

व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर जैट्रोफा की खेती रोजगार के रूप में की जा सकती है। गाँवों की पथरीली एवं बंजर भूमि पर इसकी खेती कर के रोजगार एवं आय का सरल स्त्रोत माना जा सकता है। पौधों को जंगली पशु, पालतू पशु एवं फलों एवं बीजों को चिड़ियों से नुकसान नहीं होता है। अच्छी रख-रखाव होने से 30-40 वर्षों तक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसका उपयोग जैव इंधन, औषधि, जैविक खाद, रंग बनाने, भूमि सुधार, भूमि कटाव रोकने, खेत की मेड पर बाड़ के रूप में तथा ग्रामीण स्तर पर रोजगार बढ़ाने के लिए करते हैं।

भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली का परीक्षण, 112 सायरनों पर मिला अलर्ट

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास रहे एसईओसी में उपस्थित

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तरखण्ड में भूकम्प के प्रति आमजन को जागरूक करने तथा राज्य में स्थापित भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली को परखने के उद्देश्य से शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजे सायरन बजाकर परीक्षण किया गया। इस दौरान राज्य में स्थापित 112 सायरनों पर अलर्ट प्राप्त हुआ। इसके साथ ही भूदेव मोबाइल ऐप पर भी परीक्षण चेतावनी प्राप्त हुई। इस मौक़े ड़िल के माध्यम से भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली के अंतर्गत स्थापित सायरन और सेंसरों का परीक्षण किया गया।

बता दें कि मुख्य सचिव आनंद बर्द्दैन ने प्रत्येक माह की 09 तारीख को पूर्वाह्न 11 बजे परीक्षण करने के लिए सायरन बजाने के निर्देश दिए हैं। परीक्षण के दौरान सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) में

उपस्थित रहे तथा मॉक ड़िल की निगरानी की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से एसईओसी से जुड़े रहे और परीक्षण की प्रक्रिया की निगरानी की। इस दौरान सायरनों की कार्यप्रणाली तथा मोबाइल ऐप पर प्राप्त चेतावनी का अवलोकन किया गया, ताकि प्रणाली की स्थिति का आंकलन किया जा सके। सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली का परीक्षण काफी हद तक सफल रहा है। परीक्षण के दौरान जिन स्थानों पर सायरनों के संचालन में तकनीकी दिक्कतें सामने आई हैं, उन्हें आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों द्वारा चिन्हित किया जा रहा है। संबंधित कमियों का आंकलन कर उन्हें दूर कराया जाएगा, ताकि सभी सायरन आवश्यकतानुसार प्रभावी ढंग से कार्य कर



सकें। उन्होंने कहा कि इस परीक्षण का मुख्य उद्देश्य राज्य में स्थापित भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली की वास्तविक कार्यक्षमता का आकलन करना है। इसके माध्यम से भूकम्पीय गतिविधियों का पता लगाने के लिए स्थापित सेंसर और चेतावनी प्रसारित करने के लिए लगाए गए सायरन सही तरीके से काम कर रहे हैं या नहीं, इसकी जांच की गई। नियमित

परीक्षण से तकनीकी खामियों को पहचान करने तथा उन्हें समय रहते दूर करने में मदद मिलेगी। इससे वास्तविक भूकम्प की स्थिति में चेतावनी प्रणाली की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता को बेहतर बनाया जा सकता है। श्री सुमन ने बताया कि वर्तमान में राज्य में भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली के अंतर्गत 169 सेंसर और 112 सायरन स्थापित किए गए हैं। इन उपकरणों के माध्यम से भूकम्पीय गतिविधियों की निगरानी और समय रहते चेतावनी प्रसारित करने की व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

सायरनों का नियमित परीक्षण इस व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यकता पड़ने पर लोगों तक चेतावनी पहुंचाने में कोई तकनीकी बाधा न आए। उन्होंने कहा कि इस तरह के परीक्षण का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य आमजन को सायरन की आवाज से परिचित करना भी था। इससे लोग यह समझ सकेंगे कि सायरन बजने पर उन्हें सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां

बखतने की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज बजाया गया सायरन पूर्व निर्धारित परीक्षण का हिस्सा था, न कि किसी वास्तविक भूकम्प की चेतावनी। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन प्रकाश चंद्र, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश कुमार पुनेटा आदि उपस्थित रहे।

हर माह होगी सायरन एवं प्रणाली की जांच

मुख्य सचिव आनंद बर्द्दैन के अनुसार प्रत्येक माह की 09 तारीख को पूर्वाह्न 11 बजे बजने वाला सायरन प्रणाली के नियमित परीक्षण का हिस्सा होगा। इस दौरान यह जांच की जाएगी कि राज्य में स्थापित सायरन सही ढंग से कार्य कर रहे हैं या नहीं। यदि किसी स्थान पर सायरन के संचालन में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या पाई जाती है तो उसे तत्काल ठीक करने की कार्रवाई की जाएगी। इस नियमित परीक्षण से तकनीकी खामियों की समय

रहते पहचान की जा सकेगी और वास्तविक आपदा के समय चेतावनी प्रणाली के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

राज्य में 169 सेंसर और 112

सायरन स्थापित

सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि वर्तमान में उत्तरखण्ड राज्य में भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली के अंतर्गत 169 सेंसर तथा 112 सायरन स्थापित किए गए हैं। इन सेंसरों के माध्यम से भूकंपीय गतिविधियों की निगरानी की जाती है और निर्धारित प्रणाली के माध्यम से चेतावनी प्रसारित की जाती है। उन्होंने बताया कि यूएसडीएमए एवं आईआईटी रुड़की के सहयोग से भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली परियोजना के अंतर्गत और अधिक सेंसर स्थापित किए जाने का प्रस्ताव गतिमान है। अतिरिक्त सेंसर स्थापित होने से भविष्य में होने वाली भूकम्पीय घटनाओं की निगरानी और चेतावनी प्रणाली की क्षमता में और सुधार होगा तथा भूकम्पीय घटनाओं की चेतावनी/सूचना अधिक सटीकता से प्राप्त की जा सकेगी।

ऋषिकेश एम्स नियुक्ति फर्जीवाड़ा: पांच आरोपियों की जमानत खारिज

ऋषिकेश। एम्स के किच्छा स्थिति सेटलाइट सेंटर में नौकरी दिलाने के नाम पर कथित धोखाधड़ी के मामले में प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कंवर अमर्निंदर सिंह की अदालत ने पांच आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। आरोपियों में दीपक गुसाईं, दीपांशु मंडल, दीपना मंडल, गणेश निसार और सुब्रत बछाड़ शामिल हैं। एम्स प्रशासन की शिकायत पर पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था। दीपक के कब्जे से 2 लाख बरामद किए जाने का दावा भी किया गया था। मामले में दो फर्जी नियुक्ति पत्र भी मिले थे। आरोपियों ने जमानत के लिए प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कंवर अमर्निंदर सिंह की अदालत में प्रार्थना पत्र दायर किए थे। बीते बुधवार को जमानत पर बहस के बाद शुक्रवार को अदालत ने आदेश जारी किए। अदालत ने सुनवाई के दौरान पाया कि एम्स ने निर्माणाधीन सेटलाइट सेंटर में आउटसोर्स कर्मचारियों



की भर्ती के लिए किसी एजेंसी को निविदा, अनुबंध या वर्क ऑर्डर जारी नहीं किया था। इसके बावजूद नियुक्ति पत्र जारी किए जाने और भर्ती के नाम पर धनराशि लेने के आरोपों को अदालत ने गंभीर माना। अदालत ने कहा कि मामले में आरोपियों की भूमिका की विस्तृत जांच आवश्यक है। इस स्तर पर जमानत देने से आरोपियों के फरार होने या महत्वपूर्ण साक्ष्यों को प्रभावित करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने विवेक को एम्स परिसर के सीसीटीवी फुटेज, संबंधित कंयूटर सिस्टम और दस्तावेजों को सुरक्षित कर जांच करने के निर्देश भी दिए। साथ ही एम्स के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज कर भर्ती प्रक्रिया और एजेंसी की भूमिका की जांच करने को कहा। अदालत ने पांचों आरोपियों की जमानत खारिज की।

संक्षिप्त समाचार शिविर में उच्च जोखिम वाली तीन गर्भवती महिलाएं मिलीं

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत खड़पतिया और भीरी में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़पतिया में छात्र-छात्राओं को एचपीवी टीकाकरण और किशोर स्वास्थ्य की जानकारी दी गई। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भीरी में गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच की गई। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भीरी में गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच की गई। जांच में तीन महिलाएं उच्च जोखिम वाली पाई गईं। तीनों महिलाओं को चिकित्सकीय निगरानी और आगे की जांच कराने का परामर्श दिया गया।खड़पतिया में चिकित्सा अधिकारी डॉ. सिमरन और एएनएम अर्चना जगवाण ने विद्यार्थियों को एचपीवी संक्रमण और सर्वाइकल कैंसर से बचाव में टीकाकरण की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने पात्र किशोरियों को टीकाकरण के प्रति अभिभावकों से जागरूक रहने की अपील की। वहीं पीएचसी भीरी में चिकित्सा अधिकारी डॉ. उत्कपी जौहरी और उनकी टीम ने गर्भवती महिलाओं को वजन, रक्तचाप और शुगर की जांच की। कार्यक्रम में सीएचओ प्रीति, एएनएम ज्योति, स्टाफ नर्स श्वेता, आशा कार्यकर्ता विनीता देवी, बिछना देवी और सुनीता देवी सहित अन्य मौजूद रहे।

नो—पार्किंग में पार्क किया वाहन तो पुलिस को भी नहीं बरखा

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिसकर्मियों को भी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। नो—पार्किंग जोन में खड़ी राजस्थान नंबर की एक निजी कार को यातायात पुलिस की ज़ेन उतारकर ले गई। बताया जा रहा है कि कार से तीर्थनगरी घूमने आए राजस्थान पुलिस के कर्मचारी पहुंचे थे।राजस्थान पुलिस में तैनात कुछ जवान अपनी कार से तीर्थनगरी में दर्शन और भ्रमण के लिए आए हुए थे। क्षेत्र में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी आवाजाही के कारण यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए मुख्य मार्गों और तीर्थ स्थलों के आसपास कड़े नो—पार्किंग जोन बनाए गए हैं। इसके बावजूद पर्यटकों के रूप में आए इन पुलिसकर्मियों ने अपनी राजस्थान नंबर की निजी कार को व्यस्त मार्ग पर नो—पार्किंग क्षेत्र में पार्क कर दिया। सड़क पर कार पार्क होने के कारण वहां से गुजरने वाले अन्य वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने लगी और जाम की स्थिति बनने लगी। जब नियमित गश्त पर निकली टॉइंग वैन वहां पहुंची, तो बिना किसी सिफारिश के ज़ेन चालकों ने तुरंत गाड़ी में ज़ेन का हुक लगाया और उसे खींचकर ट्रैफिक ज़ेन थाने की ओर ले गए।

यात्रियों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

ऋषिकेश। स्वच्छता पखवाड़ा और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अभियान के तहत शुक्रवार को योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन

दिव्यांगजनों को मतदान के प्रति किया जागरूक

देहरादून, लोकतंत्र को मजबूत बनाने और प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देहरादून में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान के दिशा-निर्देशों पर शुक्रवार को स्वीप (रएएड) कार्यक्रम के अंतर्गत मोहनी रोड स्थित दिव्यांगजनों की आवासीय संस्था ह्यरेफल होमल्ल में विशेष मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं दिव्यांगजन नोडल अधिकारी दीपांकर घिल्लियाल ने दिव्यांगजनों को मतदान के अधिकार और लोकतंत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद में 08 अक्टूबर 2026 से दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों तथा बुक्सा जनजाति के 46 गांवों में सघन मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य अंतिम छोर पर खड़े प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचकर उसे मतदान के अधिकार और उसके महत्व के प्रति जागरूक करना है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की भागीदारी



आवश्यक है। समावेशी लोकतंत्र की स्थापना तभी संभव है, जब समाज के सभी वर्ग मतदान प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा लें।

कार्यक्रम के दौरान रेफल होम के दिव्यांगजनों को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान के विभिन्न तरीकों तथा मताधिकार के महत्व की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने उन्हें आगामी

चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के साथ-साथ परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सुश्री प्रिया लाल, सुश्री पुनम चमोली, श्री पुष्पेंद्र और श्री प्रज्वल सहित संस्था के कई लोग उपस्थित रहे।

15 दिन से लखनऊ स्ट की बस खराब

ऋषिकेश। रोडवेज मुख्यालय से पर्याप्त मात्रा में पुर्जे उपलब्ध नहीं होने के कारण ऋषिकेश डिपो की दो बसें लंबे समय से वर्कशॉप में खड़ी हैं। लखनऊस्ट पर संचालित बस संख्या यूके07पीए-4367 पिछले 15 दिनों से इंजन में खराबी के चलते खड़ी है, जबकि दिल्ली स्ट की बस संख्या यूके07पीए-4370 करीब एक महीने से मरम्मत का इंतजार कर रही है। बसों का नियमित संचालन बाधित होने से रोडवेज की आय प्रभावित हो रही है। वहीं, लखनऊ स्ट पर दो बसों के बजाय फिलहाल एक ही बस का नियमित संचालन किया जा रहा है। ऋषिकेश से लखनऊस्ट पर प्रतिदिन दो बसों का संचालन किया जाता है।

इनमें से एक बस खराब होने के कारण पिछले 15 दिनों से यात्रियों को एक ही बस से सफर करना पड़ रहा है। लखनऊ स्ट पर संचालित बस 52 सीटर है, जिसमें एक फेरे में औसतन 40 से 42 यात्री सफर करते हैं। इस रूट पर एक बस एक चक्र में करीब 40 से 50 हजार रुपये की आय अर्जित करती है। ऐसे में बस के लंबे समय तक वर्कशॉप में खड़े रहने से रोडवेज को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

डिपो की वर्कशॉप में बसों की मरम्मत के लिए जितनी मात्रा में पुर्जों की मांग की जाती है, उसके अनुरूप मुख्यालय से आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

सार्वजनिक स्थान पर हड़दंग करने वाले 7 व्यक्ति गिरफ्तार



देहरादून, राजधानी देहरादून के पटेलनगर क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद सार्वजनिक स्थान पर लड़ाई-झगड़ा और हड़दंग करने के आरोप में पुलिस

पहुंची पुलिस पुलिस मीडिया सेल देहरादून की ओर से जारी प्रेस नोट के मुताबिक, 8 अक्टूबर 2026 को कोतवाली पटेलनगर पुलिस को बाजार क्षेत्र में दो पक्षों के बीच विवाद और सार्वजनिक स्थान पर हंगामा होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और विवाद कर रहे व्यक्तियों को समझाने का प्रयास किया।

पुलिस का कहना है कि समझाने के बावजूद संबंधित व्यक्ति शांत नहीं हुए और अधिक उग्र होकर आपस में मारपीट करने पर उतारू हो गए। स्थिति बिगड़ने और शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने सात व्यक्तियों को भारतीय नागरिक

नोट— निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। Tender Notice- SNT-AMC-Sigma, EI-KHP Date.09.10.2026

3527/2026

उत्तर रेलवे ई-निविदा सूचना

वारेष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये।	अंतिम घन रुपये।	निविदा फॉर्म की लागत रु।	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय।
SNT-AMC-Sigma-MSDAC-MB-20 कॉन्फेडरेशन एनुअल मेटेनैन्स कॉन्ट्रैक्ट (CAMC) ऑफ मेसर्स सिग्मा (Allpro) रेल सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड मेक मल्टी सेवराज डिजिटल एक्सल कार्दर सिस्टम (MSDACs) इन्स्टाल एट डिफरेंट लोकेशन (स्टेशन) इन मुरादाबाद डिवीजन फौर प्रोियड ऑफ बी इयर्स	21193488.00	423900.00	NII	02.11.2026 15:00
SNT-Sig-El-KHP-Umbrella हकीमपुर कोन्वेन्ट लाइन नंबर 5 इन तो कॉमन लूप लाइन वय प्रोविडिंग स्टार्टिंग सिगल	31482823.89	629700.00	NII	02.11.2026 15:00

नोट— निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

Tender Notice- SNT-AMC-Sigma, EI-KHP Date.09.10.2026

3527/2026

ग्राहकों की सेवा में मुकान के साथ

सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल
द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

आर्कटिक ओपन

तन्वी कोमिली हार

सिंधु क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं

वंट्टा (फिनलैंड)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु गुरुवार को को अपने शानदार 2026 अभियान से आत्मविश्वास मिलेगा, जिसके जापान की रिको गुंजी को 21-15, 21-15 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गई हैं। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट ने यह मुकाबला 49 मिनट में अपने नाम किया। अब क्वार्टर-फाइनल में उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त और थाईलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रत्नानोक इंतानोन से होगा। इस क्वार्टर-फाइनल मुकाबले से विमेंस बैडमिंटन सर्किट की एक पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से देखने को मिलेगी, हालांकि दोनों खिलाड़ियों का आमना-सामना साल 2022 के बाद से नहीं हुआ है। 'हेड-टू-हेड' रिकॉर्ड में इंतानोन 9-4 से आगे हैं और उन्होंने पिछले पांच मुकाबले जीते हैं। दोनों की पिछली भिड़ंत साल 2022 में इंडोनेशिया मास्टर्स में हुई थी, जिसमें थाई खिलाड़ी ने सीधे गेम में जीत हासिल की। सिंधु को अपने शानदार 2026 अभियान से आत्मविश्वास मिलेगा, जिसके तहत उन्होंने 'जापान ओपन सुपर 750' का खिताब जीता है। उन्होंने जुलाई में फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर अपने हालिया करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता था। इंतानोन को भी इस सीजन में सफलता मिली है; उन्होंने मई में फाइनल में चीन की चेन युफेई को मात देकर मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 का खिताब जीता। थाई खिलाड़ी ने तन्वी शर्मा को 21-18, 21-7 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। तन्वी पहले गेम में ज्यादातर समय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के बराबर बनी रहीं, उन्होंने 17-17 से बराबरी भी की, लेकिन इंतानोन ने गेम के आखिर में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए पहला गेम जीत लिया।

लैंडो नॉरिस का विश्वास कायम

मैकलारेन की मेहनत पर जताया भरोसा

मरीना बे (सिंगापुर)। लैंडो नॉरिस को भरोसा है कि सिंगापुर वह चैंपियनशिप लीडर किमी एंटोनेली से 132 प्वाइंट्स पीछे हैं। जीपी से पहले मैकलारेन ने अपनी तैयारियों में जरूरी सुधार किए हैं। उनका मानना है कि टीम ने परिस्थितियों का अच्छी तरह विश्लेषण किया है और अब बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। समर ब्रेक से ठीक पहले और उसके तुरंत बाद नॉरिस ने शानदार फॉर्म दिखाई थी; उन्होंने ब्रेक के दौरान हंगेरियन जीपी और डच जीपी जीती थी। वह इटली में चौथे और स्पेनिश जीपी में तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अजरबैजान जीपी में संघर्ष करना पड़ा, जहां कई कारों की टक्कर के बाद उन्हें रेस छोड़नी पड़ी। इसके बाद बहरीन जीपी में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और छठे स्थान पर रहे। नॉरिस के टाइटल जीतने की उम्मीदें बहुत कम हैं, क्योंकि उनके पास 188 प्वाइंट्स हैं और बस कार को ट्रैक पर ले जाकर देkhना है कि वह कैसी है।

संक्षिप्त समाचार

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को झटका बाहर हुए चैपमैन और फॉल्क्स

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड को अपने घर में भारत के खिलाफ 22 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। सीरीज से पहले कीवी टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। मार्क चैपमैन और जैक फॉल्क्स चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। चैपमैन को जांघ में खिंचाव है, जबकि फॉल्क्स कूल्हे की चोट से परेशान हैं। इन दोनों का सीरीज से बाहर होना न्यूजीलैंड को मुश्किल में डाल सकता है। इसकी वजह दोनों खिलाड़ियों का इस फॉर्मेट में अनुभव और प्रदर्शन है। मार्क चैपमैन को पिछले महीने यूरोपियन टी20 लीग खेलने के दौरान हेमरिड्रंग में चोट लगी थी। उनके भारत के खिलाफ वनडे सीरीज तक ठीक होने की उम्मीद है। वहीं, फॉल्क्स को अभ्यास के दौरान दाहिने कूल्हे में चोट लग गई। फॉल्क्स की वापसी कब तक होगी, इस पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। चैपमैन और फॉल्क्स की जगह न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को शामिल किया गया है।

शुभंकर ने कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप में चार-शॉट की बढ़त बनाई

शेटर नोएडा। शुभंकर शर्मा ने गुरुवार को कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप के दूसरे राउंड के बाद सात-अंडर 65 का स्कोर करके चार-शॉट की बढ़त हासिल कर ली। 2 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाली यह प्रतियोगिता ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट में जारी है। चंडीगढ़ के 30 वर्षीय गोल्फर (68-65) ने दिन की शुरुआत पिछले दिन के लीडर शौर्य भट्टाचार्य से दो स्ट्रोक पीछे रहकर की थी। उन्होंने एक ईगल, सात बर्डी और दो बोगी के साथ 11-अंडर 133 का स्कोर हासिल किया। डीपी वर्ल्ड टूर पर दो बार जीत हासिल कर चुके शुभंकर ने अप्रैल में पीजीटीआई के बीएस व्लासिक में जीत हासिल की थी, जिससे उनका प्रोफेशनल खिताब जीतने का आठ साल का इंतजार खत्म हुआ था। चंडीगढ़ के ब्रशवरपाल सिंह (72-65) ने शुभंकर के बराबर दिन का सबसे कम स्कोर बनाया। उनके सात-अंडर 65 के स्कोर में आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी, जिससे वे पिछले दिन संयुक्त 11वें स्थान से ऊपर उठकर सात-अंडर 137 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत वनडे विश्व कप 2025 का खिताब है: अंजुम चोपड़ा

‘मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा’

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि हाल ही में कप्तानी छोड़ने वाली हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत घरेलू धरती पर वनडे विश्व कप 2025 जीतना होगा। चोपड़ा ने कहा कि कौर टीम को जिस टीम से मिली थी, उससे कहीं ज्यादा मजबूत, अनुभवी और आत्मविश्वासी टीम के तौर पर छोड़कर गई हैं। अंजुम चोपड़ा ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, 'एक लीडर के तौर पर हरमनप्रीत की सबसे बड़ी पहचान हमेशा 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतना रहेगी। उस टूर्नामेंट में उनकी बैटिंग, लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल में, और कैसे टीम सभी के योगदान से यहां तक पहुंची। यह सिर्फ हरमन की वजह से नहीं था। हर खिलाड़ी के योगदान से हरमन वह ताज उठा पाई और भारत जीत सका। हरमन का कद इस टीम के साथ बढ़ा है, खासकर पिछले साढ़े तीन सालों में, जब से उन्होंने वनडे की कप्तानी संभाली है। पहले, हम टी20 बहुत कम खेलते थे और शेड्यूल में ज्यादा वनडे गेम होते थे। हाल के वर्षों में यह बदल गया है। अब अधिकांश द्विपक्षीय दौरों में वनडे से ज्यादा टी20 होते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा है। उनकी विरासत हमेशा इस बात से

मापी जाएगी कि उन्होंने कहाँ से कप्तान संभाली और कहाँ छोड़ी। वनडे फॉर्मेट में इंडियन टीम वर्ल्ड चैंपियन है। जब उन्होंने कप्तान संभाली थी, तब की तुलना में यह टीम कहीं

उन्के आस-पास की चीजें काफी बदल गई हों। मैंने उनमें कभी भी जल्दबाजी वाला पहलू नहीं देखा। उन दिनों से लेकर अब तक मैंने हरमनप्रीत कौर में हमेशा एक शांत स्वभाव देखा है। एक कप्तान के तौर पर, अगर मैदान में कोई मामूली कोशिश करता है—जैसे गेंद को रोकने में नाकाम रहना, उसे जल्दी वापस न फेंकना या एक अतिरिक्त रन देना—तो वह उस व्यक्ति को मैदान पर ही मौका देती हैं, चाहे कैमरे उन्हें पकड़ें या नहीं। लेकिन जिस पल वही व्यक्ति अच्छा स्टॉप करता है, विकेट लेता है या कैच लेता है, वह सबसे पहले दौड़कर उसकी तारीफ करती हैं। मैंने इतने सालों में कप्तान हरमन के दोनों पहलू देखे हैं। एक व्यक्ति के तौर पर हरमनप्रीत नहीं बदली हैं और यही उनकी खूबसूरती है। 'ग्लोबल इवेंट्स में टीम इंडिया के जीत की दायेंदार बनने की प्रक्रिया के सवाल पर अंजुम ने कहा, 'यह इसलिए बदला है क्योंकि हमने सकारात्मक तरीके से परिणाम देkhना शुरू कर दिया है। मैं यह नहीं कह रही कि पहले के कप्तान परिणाम नहीं देते थे, लेकिन जब हरमन ने टीम संभाली, तो युवाना में 2018 वर्ल्ड कप में भी, मुझे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच याद है, उन्होंने शतक लगाया था।

अंजुम ने कहा-

‘मैंने 2025 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले भी लगातार कहा है कि इंडिया के पास बॉलिंग की कमी है। जीत पक्की करने के लिए उन्हें दो विकेट लेने के लिए शेफाली को लाना पड़ा। मैं बहुत खुश हूँ कि हमने वह वर्ल्ड कप जीता, लेकिन हमारे पास अभी भी बॉलिंग डेथ की कमी थी। आज भी, हम क्रांति गौड़ जैसे एक फास्ट बॉलर के साथ खेलते हैं, और नंदिनी शर्मा अभी-अभी आई हैं।’ हरमनप्रीत के इस्टीमेटेड वैल्यू पोस्ट में त्याग शब्द पर अंजुम ने कहा, 'सबसे बड़ा त्याग जो आप करते हैं, वह है खेलने की अपनी शैली को किनारे रखना। कभी-कभी आप नंबर तीन पर बैटिंग करना चाहते हैं, लेकिन टीम को आपसे नंबर चार या ओपनिंग करने की जरूरत होती है, इसलिए आप वह मुश्किल रोल निभाते हैं। आपको टीम के फायदे को अपने फायदे से पहले रखना होगा। हो सकता है आप बॉलिंग करना चाहें या न करना चाहें, या टीम को आपकी जरूरत बाउंड्री लाइन पर हो सकती है – ये छोटी-छोटी बातें हैं।

फ्रेंडली मुकाबले में रूस के हाथों

0-4 से भारतीय महिला फुटबॉल टीम की हार

याना शेइना ने 40वें मिनट में पहला गोल किया, जिसके बाद सर्बिस्ट्रयूट खिलाड़ी किरा पेटुखोवा ने 60वें और 65वें मिनट में दो गोल दगे। याना स्विस्तुनोवा ने 81वें मिनट में गोल करके स्कोर पूरा किया। भारत के हेड कोच क्रिस्पिन छेत्री ने इस मैच का इस्तेमाल कई युवा खिलाड़ियों को मौका देने के लिए किया; बेबीसाना देवी थिंगबैजम, मालती मुंडा, सिंडी कोल्नी, शुभांगी सिंह, ध्रुवां पेरुमल और सिबानी देवी नोंगमेइकापम ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। गोलकीपर मोनालिशा देवी मोइरांगथेम ने अपना तीसरा इंटरनेशनल मैच भी खेला। यह कोलकाता में भारत का पहला महिला इंटरनेशनल मैच था और वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े अंतर के बावजूद मेजबान टीम ने अनुशासित शुरुआत की। रूस का बॉल पर कब्जा और मैदान पर दबदबा ज्यादा था, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव किया और रूसी खिलाड़ियों के पासिंग के रास्ते बंद करने के लिए कड़ी मेहनत की। मोनालिशा ने भी रूसी खिलाड़ियों को गोल करने से रोकने के लिए कई अहम बचाव किए। मैच के आधे घंटे के आसपास भारत बढ़त बनाने के करीब था, जब बॉक्स के अंदर गेंद मालविका पी. के पास आई, लेकिन रूसी गोलकीपर नतालिया सिलिना ने तेजी से अपनी लाइन से बाहर आकर उस मौके को खत्म कर दिया। हाफ के आखिर में लिंडा कॉम सर्टों को भी मौका मिला, लेकिन भारत मिले मौकों को गोल में नहीं बदल सका।

कोलकाता। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को फ्रेंडली मैच में रूस के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला गुरुवार को कोलकाता के किशोर भारती क्रीडंगन में खेला गया। दुनिया में 69वें नंबर पर मौजूद भारत ने 27वें नंबर की रूसी टीम को मैच के पहले हाफ में काफी देर तक रोके रखा, लेकिन ब्रेक के बाद रूस के लगातार दबाव का असर दिखा।

रूस से हार के बाद बोले महिला फुटबॉल टीम के कोच क्रिस्पिन छेत्री

युवा टीम होने के बावजूद हमने कैरेक्टर दिखाया

कोलकाता। भारत महिला फुटबॉल टीम के हेड कोच क्रिस्पिन छेत्री ने किशोर भारती क्रीडंगन में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में रूस से 0-4 से हारने के बाद भी अपनी युवा टीम का समर्थन किया है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में छेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस मैच की पॉजिटिव बात यह है कि एक युवा टीम होने के बावजूद, हमने कैरेक्टर दिखाया। हम दबाव बनाने से नहीं डरते, हम भागने से नहीं डरते। हम वही करने की कोशिश करते हैं जो हमारे कंट्रोल में होता है।' हेड कोच ने टीम के 25-दिन के कैंप के दौरान खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए कमिटमेंट पर भी जोर दिया और रूस की फिजिकल मौजूदगी और सेट-पीस से निपटने की उनकी कोशिशों की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा, 'सबसे जरूरी बात यह है कि हमने कैरेक्टर दिखाया, हमने हार नहीं मानी। मेरे लिए यह सबसे अच्छी बात है।' छेत्री ने माना कि जून से कॉम्पिटिटिव फुटबॉल की कमी रूसी टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण साबित हुई। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए कीमती होगा क्योंकि वे इंटरनेशनल लेवल पर आगे बढ़ रहे हैं। 11 अक्टूबर को होने वाले दूसरे फ्रेंडली मैच को देखते हुए, छेत्री ने बताया कि टीम लंबे समय तक अपनी इंटीसिटी बनाए रखने की अपनी काबिलियत को बेहतर बनाने पर काम करेगी। साथ ही, पहले मैच के आखिरी स्टेज में खेलने वाले युवाओं को ज्यादा मौके भी देंगी।

रणजी ट्रॉफी जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली

सौराष्ट्र टीम में जडेजा शामिल

राजकोट। अनुभवी जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भारत की 2-1 से वनडे सीरीज छत्तीसगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी जीत में खेलकर आ रहे हैं, हालांकि

दौरे से पहले रेड-बॉल लय बनाने में मदद मिलेगी। रणजी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें गत चैंपियन सौराष्ट्र को आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा के साथ एलीट ग्रुप बी में रखा गया है। उनादकट की लीडरशिप में सौराष्ट्र अपने कैप्टन की शुरुआत राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के खिलाफ करेगा। सौराष्ट्र, जिसने उनादकट की लीडरशिप में 2019/20 और 2022/23 में दो बार प्रीमियर घरेलू खिताब जीता था, ने पिछले सीजन की टीम के 14 खिलाड़ियों को रिटन किया है। लेफ्ट-आर्म पेसर उनादकट ससेक्स के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने सात मैचों में 22.21 की औसत से 28 विकेट लिए हैं।

जयदेव उनादकट (कप्तान), रवींद्र जडेजा, हार्दिक देसाई (विकेटकीपर), अर्पित वासवदा, चिराग जानी, प्रेरक मांकड, जय गोहिल, चेतन सकारिया, अंकुर पवार, समर गज्जर, पार्थ भुट, विश्वराजसिंह जडेजा, हेतविक कोटक, नील पांड्या, अर्थ यादव, तरंग गोहिल।